Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 142
जयपुर, बुधवार, 06 नवम्बर 2024
पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

राहुल ने मीटिंग में मिलाया डायल 181 पर फोन: नहीं उठा तो डीएम से बोले

यही है आपकी सुरक्षा, मंत्री बोले- सांसद रायबरेली पिकनिक पर आए

■ संजीवनी टुडे

लखनऊ/रायबरेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 3 घंटे रायबरेली में रहने के बाद दिल्ली रवाना हो गए। राहुल ने कलेक्ट्रेट में जिले के सभी विधायकों और अफसरों के साथ मीटिंग की। दिशा की बैठक में राहुल के सामने रायबरेली में महिला संरक्षण और सुरक्षा योजनाओं की पोल खुल गई। डीएम हर्षिता माथुर महिला सुरक्षा से जुड़ी हेल्पलाइन 181 का बखान कर रही थीं। राहुल ने अपने मोबाइल से 181 पर डायल कर दिया। लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। राहुल बोले- मेरा ही फोन नहीं उठा तो कैसी सुरक्षा है आपकी। इधर, योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी इसमें शामिल हुए। राहुल और दिनेश प्रताप सिंह मीटिंग के दौरान अलग-बगल बैठे। हालांकि, दोनों में बातचीत नहीं हुई। राहुल के रायबरेली से रवाना होते ही दिनेश सिंह ने उन पर हमला कर दिया। कहा- राहुल गांधी पिकनिक मनाने रायबरेली आते हैं। उनके हाथ में एक पोस्टर था। लिखा था- राहुल 6 महीने में सिर्फ 5 घंटे रायबरेली में रहे हैं। दोनों ने लोकसभा चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ा था। राहुल मंगलवार सुबह दिल्ली से लखनऊ होते हुए 10.30 बजे रायबरेली पहुंचे। मीटिंग के बाद 1.30 बजे निकल गए। राहुल ने 53 करोड़ की 9 सड़कों का लोकार्पण किया। शिलापट्ट पर योगी सरकार में मंत्री दिनेश सिंह का भी नाम लिखा था।

चुनाव और राजनीति की कोई बात न बयान

सांसद बनने के बाद राहुल का रायबरेली का तीसरा और यूपी का 5वां दौरा था। लखनऊ से रायबरेली जाते वक्त राहुल ने रास्ते में हनुमान मंदिर में पूजा-पाठ की। 20 मई को रायबरेली में वोटिंग के दौरान भी राहुल ने इस मंदिर में पूजा की। महाराष्ट्र-झारखंड में विधानसभा चुनाव और वायनाड लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के बीच अचानक राहुल यूपी आए। इसके सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि, राहुल ने पूरे दौरे में मीडिया से कोई बात नहीं की। सपा-कांग्रेस गठबंधन पर भी उन्होंने कोई बात नहीं की। हालांकि, इससे पहले राहुल जब-जब यूपी आए थे उन्होंने सपा और अखिलेश का नाम जरूर लिया था। राहुल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन मॉनिटरिंग कमेटी की कलेक्ट्रेट में बैठक की। इसमें हरचंदपुर के सपा विधायक राहुल लोधी, रायबरेली सदर से भाजपा विधायक अदिति सिंह और दिनेश सिंह शामिल हुए। बैठक में जिले के विकास कार्यों पर मंथन किया गया।

संसदीय क्षेत्र आने में मोदी से आगे निकले राहुल

पीएम मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दोनों यूपी से हैं। मोदी वाराणसी से चुनाव जीतने के बाद दो बार अपने संसदीय क्षेत्र आ चुके हैं। राहुल तीसरी बार आए। यानी, यहां राहुल आगे निकल गए। प्रधानमंत्री बनने के नरेंद्र मोदी 18 जून को पहली बार वाराणसी पहुंचे थे। बाबतपुर हवाई अड्डे से काशी विश्वनाथ तक रोड शो किया था। दूसरी बार वह 20 अक्टूबर को वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने 6100 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। लोकसभा चुनाव में दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। लखनऊ से रायबरेली जाते वक्त राहुल ने हनुमान मंदिर में दर्शन किए। वह 20 मई यानी जब रायबरेली में वोटिंग हुई थी, उस दिन भी यहां दर्शन करने आए थे। राहुल लोधी ने कहा- हमने अपने इलाके की बात रखी, जो भी जरूरत थी उसे राहुल को बताया। उन्होंने अफसरों से बात की। भाजपा विधायक अदिति सिंह ने कहा- कुछ मामलों में मतभेद रहे हैं। हरचंदपुर के सपा विधायक राहुल लोधी भी बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा- हमने अपने इलाके की बात रखी। जो भी जरूरत थी उसे राहुल गांधी को बताया। उन्होंने अफसरों से बात की। कहा कि काम तेजी से हो। अगले 10-15 दिन में समस्याओं को सुलझाने की बात कही गई है। ऊंचाहार के विधायक मनोज पांडेय ने कहा- जो केंद्रीय योजनाएं थीं उस पर चर्चा हुई।

शरद पवार का चुनावी राजनीति से संन्यास का संकेत: बोले

कहीं तो रुकना पड़ेगा, अब चुनाव नहीं लड़ूंगा, नए लोगों को चुनकर आना चाहिए

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के संकेत दिए हैं। पवार ने कहा है कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, हालांकि पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। यानी एनसीपी चीफ के पद पर काम करते रहेंगे। 84 साल के शरद पवार ने बारामती में मंगलवार को कहा, ‘कहीं तो रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि राज्यसभा जाना है या नहीं।‘ 1960 में शरद पवार ने राजनीतिक करियर की शुरुआत की 1960 में शरद पवार ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। 1960 में कांग्रेसी नेता केशवराव जेधे का निधन हुआ और बारामती लोकसभा सीट खाली हो गई। उपचुनाव में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी घ्डघ् ने शरद के बड़े भाई बसंतराव पवार को टिकट दिया, जबकि कांग्रेस ने गुलाबराव जेधे को उम्मीदवार बनाया। उस वक्त वाईबी चव्हाण महाराष्ट्र के सीएम थे। उन्होंने बारामती सीट को अपनी साख का मुद्दा बना लिया था। शरद अपनी किताब ‘अपनी शर्तों पर’ में लिखते हैं कि मेरा भाई कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार था। हर कोई सोच रहा था कि मैं क्या करूंगा? बड़ी मुश्किल स्थिति थी। भाई बसंतराव ने मेरी परेशानी समझ ली। उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि ‘तुम कांग्रेस की विचारधारा के लिए समर्पित हो। मेरे खिलाफ प्रचार करने में संकोच मत करो। इसके बाद मैंने कांग्रेस के चुनाव प्रचार में जान लगा दी और गुलाबराव जेधे की जीत हुई।’ महज 27 साल की उम्र में शरद पवार 1967 में बारामती विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने। पिछले 5 दशकों में शरद पवार 14 चुनाव जीत चुके हैं। बेटी को पार्टी अध्यक्ष बनाते ही भतीजे ने बगावत कर दी 1 मई 1960 से 1 मई 2023 तक सार्वजनिक जीवन में लंबा समय बिताने के बाद अब मुझे थोड़ा ठहरने की जरूरत है।

दिलावर बोले- डोटासरा राजस्थान के बच्चों के सबसे बड़े दुश्मन

पेपर आउट करवाकर माल बनाया, कब शिकंजे में आ जाएं, पता नहीं, जल्द कार्रवाई होगी

■ संजीवनी टुडे

दौसा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि यदि राजस्थान के विद्यार्थियों का सबसे बड़ा कोई दुश्मन है तो वह गोविंद सिंह डोटासरा हैं। उन्होंने बिना भवन और शिक्षकों के स्कूल खोल दिए। दिलावर ने कहा- डोटासरा जी आंखों पर पट्टी बांधकर घूम रहे हैं। उनको केवल वही दिखता है कि कहां खाना है, कहां लूटना है। कैसे पेपर आउट करना है। एक पेपर के कितने नोट लेना है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा जी ने जितने पेपर आउट करवाकर जितना माल बनाना था, बनाया। जांच चल रही है, कब शिकंजे में आ जाएं, कब अंदर चले जाएं, कोई पता नहीं है। लेकिन, भाजपा जो कहती है, वह करती है। दिलावर मंगलवार को दौसा के दौरे पर थे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा- हमारी पीढ़ियां राम का नाम लेते हुए खप गईं, लेकिन कांग्रेस ने तो भगवान राम के अस्तित्व को ही झुठला दिया। कांग्रेस राम विरोधी पार्टी है। भाजपा की केंद्र सरकार ने राम मंदिर बनाकर हिंदू गौरव को फिर से स्थापित किया है। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के भाजपा सरकार में गोली चलने और लोगों को भिड़ाने के आरोपों का जवाब देते हुए दिलावर ने कहा- यह सच है कि गोलियां तो चली हैं। लेकिन, कांग्रेस ने जितने लोगों की हत्या करवाई, उतना

कभी नहीं हुआ। उन्होंने दिल्ली में सिखों को मारा और उन्हीं लोगों को मंत्री बनाया। सिख विरोधी दंगों के सवाल पर कांग्रेस कहती है कि बड़ा बरगद गिरता है तो कंपन तो होगा। वो हजारों लोगों की हत्या को छोटा सा कंपन मानते हैं। इसलिए कांग्रेस पार्टी हमेशा हत्यारों पक्ष में खड़ी रहती है। सोमवार को दौसा में जनसभा में पायलट ने कहा था कि यह चुनाव किसी व्यक्ति और समाज का नहीं है, बल्कि विचारधारा और पार्टियों का है। जनता ने दोनों ही दलों को बराबर मौका दिया है, काम के इतिहास के दम पर लोग तुलना करेंगे। आज भाजपा के जो नेता भाषण दे रहे हैं, उन्हें जवाब देना पड़ेगा कि उनके शासनकाल में प्रदेश में गोलियां चली थीं। समाजों में टकराव कराया, लोगों को भिड़ाया था।

स्कूल समय में नमाज और पूजा-पाठ नहीं

दिलावर ने बताया कि स्कूल समय में नमाज और पूजा-पाठ पर रोक लगा दी गई है। अब शिक्षकों को ऐसा करने से साफ मना कर दिया गया है। सभी शिक्षकों से कहा गया है कि वे स्कूल समय में ऐसा नहीं करें। स्कूल समय में वे केवल बच्चों को पढ़ाने का ही कार्य करें। वो जो माहौल पैदा हुआ था, उसके लिए भाजपा जिम्मेदार है कि नहीं। इस दौरान मैच फिक्सिंग की चर्चाओं के सवाल पर भी पायलट ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- जो लोग इस प्रकार की चर्चा करते हैं।

मालेगांव केस सुनने वाली कोर्ट को ब्लास्ट की धमकी

रजिस्ट्रार के ऑफिस में आया धमकी भरा कॉल, पूर्व सांसद प्रज्ञा के खिलाफ जमानती वारंट जारी

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। मालेगांव बम विस्फोट मामले में सुनवाई कर रही स्पेशल गत्रड्ढ कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एक सरकारी वकील ने मंगलवार को बताया कि 30 अक्टूबर को कोर्ट के रजिस्ट्रार ऑफिस में फोन कॉल आया था। कॉलर ने कहा, मामले की सुनवाई वाले कोर्ट रूम नंबर 26 को बम से उड़ा देंगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले की सुनवाई दक्षिण मुंबई के सिविल कोर्ट में चल रही है। इधर, स्पेशल एनआईए कोर्ट ने मामले में आरोपी नंबर एक भाजपा नेता प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ पेशी पर न आने के लिए जमानती वारंट जारी किया। प्रज्ञा मेडिकल कंडीशन का हवाला देकर 4 जून से कोर्ट की कार्रवाई में शामिल नहीं हुई हैं। 2017 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सातों आरोपियों को जमानत दे दी थी। महाराष्ट्र के मालेगांव (मुंबई से करीब 200 किमी दूर) में 29 सितंबर 2008 को ब्लास्ट हुआ था। यहां एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाई गई थी। घटना में 6 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा जख्मी हुए थे। मामले की जांच पहले महाराष्ट्र एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड कर रही थी।

प्रज्ञा के खिलाफ 10 हजार का जमानती वारंट

मंगलवार को स्पेशल जज एके लाहोटी ने ठाकुर के खिलाफ 10,000 रुपए का जमानती वारंट जारी करते हुए कहा कि फाइनल बहस चल रही थी और आरोपी का कोर्ट रूम में होना जरूरी है। यह वारंट 13 नवंबर तक वापस किया जा सकता है, जिसका मतलब है कि ठाकुर को तब तक अदालत में पेश होना होगा और इसे रद्द करवाना होगा। जस्टिस लाहोटी ने कहा कि बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने के आधार पर छूट के लिए उनके पिछले आवेदनों पर समय-समय पर विचार किया गया था। आज भी आवेदन के साथ मेडिकल सर्टिफिकेट की एक फोटोकॉपी भी दाखिल की गई, जिसमें दिखाया गया है कि वह आयुर्वेदिक उपचार करवा रही हैं, लेकिन ओरिजनलसर्टिफिकेट नहीं है। इसलिए कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। 2011 में इन्वेस्टीगेशन राष्ट्रीय जांच एजेंसी को ट्रांसफर कर दी गई। इस मामले में सात आरोपियों के खिलाफ केस चल रहा है। इन आरोपियों में भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर समेत ले.कर्नल (रिटायर्ड) प्रसाद पुरोहित, मेजर (रिटायर्ड) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर द्विवेदी का नाम शामिल है। अप्रैल 2017 बॉम्बे हाईकोर्ट ने सातों आरोपियों को जमानत दे दी थी।

20 नवंबर तक होंगे सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए आवेदन

■ संजीवनी टुडे

23,820 पदों के लिए अब तक आए थे महज 10 हजार से काम आए आवेदन

जयपुर। राजस्थान सरकार ने 23 हजार 820 पदों पर निकली सफाई कर्मचारी भर्ती की तारीख को आगे बढ़ा दिया है। अब प्रदेशभर के अभ्यर्थी 20 नवंबर तक भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकेंगे। दरअसल, इससे पहले 6 नवंबर को आवेदन की अंतिम तारीख निर्धारित की गई थी। लेकिन सफाई कर्मचारियों के 23 हजार 820 पदों के लिए लगभग 9000 आवेदन ही आए थे। इसके बाद सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में आवेदन की तारीख को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने कहा- भर्ती में आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को सफाई अनुभव सर्टिफिकेट बनाने के लिए पर्याप्त वक्त नहीं मिला था। इसकी वजह से अब तक भर्ती प्रक्रिया में लगभग 9 हजार अभ्यर्थियों ने ही आवेदन किया है। ऐसे में सरकार ने हमारी मांग पर आवेदन की तारीख को आगे बढ़ाकर प्रदेश के लाखों बेरोजगारों को जीवनदान दिया है। राजस्थान में सफाई कर्मचारियों की होने वाली भर्ती में में प्राइवेट कंपनियों की ओर से जारी प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होंगे। नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद में सड़क की सफाई और सार्वजनिक सीवर की सफाई का काम करने वाली कंपनी और ठेकेदारों से जारी प्रमाण-पत्र ही मान्य होंगे। इनकी ओर से जारी प्रमाण-पत्र को नगर पालिका में अधिकारी और निगम आयुक्त या आयुक्त की ओर से नामित अधिकारी वेरिफाई करेंगे। जिसकी वजह से प्रदेशभर में अब तक लगभग 10 हजार सफाई कर्मचारी ही आवेदन प्रमाण-पत्र बनवा सके थे।

जम्मू-कश्मीर में 6 घंटे में दूसरा एनकाउंटर

कुपवाड़ा में आतंकियों से मुठभेड़ जारी, बांदीपोरा एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ढेर किया

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच 6 घंटे के बीच दो बार एनकाउंटर हुआ। मंगलवार रात करीब 11.30 बजे कुपवाड़ा जिले के लोलाब वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई है, जो अभी भी जारी है। इसके पहले मंगलवार शाम को बांदीपोरा के केटसुन फॉरेस्ट एरिया में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। जिसमें एक आतंकवादी मारा गया था। अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षाबलों को बांदीपोरा के चूंटपाथरी फॉरेस्ट में आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी। जिसके बाद इलाके की घेराबंदी की गई और तलाशी अभियान शुरू किया गया। सर्चिंग के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आतंकी मारा गया। इलाके में एक और आतंकी के छिपे होने की आशंका है। एनकाउंटर अभी जारी है। इससे पहले 2 नवंबर को भी श्रीनगर के खानयार में मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी मारा गया था। इस एनकाउंटर में चार जवान घायल हुए थे।

4 जवान घायल हुए थे और 3 आतंकी मारे गए

पिछले 5 दिन में चौथा एनकाउंटर नवंबर महीने की शुरुआत में ही सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच श्रीनगर, बांदीपोरा और अनंतनाग में 3 एनकाउंटर हो चुके हैं। इनमें 4 जवान घायल हुए थे और 3 आतंकी मारे गए थे। 2 नवंबर को मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान जाहिद राशिद के रूप में हुई। वहीं दूसरा अरबाज अहमद मीर था। दोनों को पाकिस्तान से ट्रेनिंग मिली थी। बांदीपोरा में चौथा एनकाउंटर चल रहा है। आतंकियों का मददगार भी पकड़ा गया इस बीच, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने

मंगलवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 22आरआर और 92 बटालियन के साथ मिलकर आतंकवादियों के एक सहयोगी को भी गिरफ्तार किया। इसकी पहचान आशिक हुसैन वानी के रूप में हुई है, जो जम्मू-कश्मीर के सोपोर में तुजार शरीफ का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक पिस्तौल, सात जिंदा राउंड और एक मैगजीन बरामद की है। अखनूर में 3 आतंकी ढेर हुए। ख्रधए के पास आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। इसके बाद वे जंगल की ओर भाग गए थे। 5 घंटे तक चले एनकाउंटर में सेना का कोई जवान घायल नहीं हुआ। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर के नजदीक संडे मार्केट में रविवार (3 नवंबर) को ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। इसमें 12 लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद हमलावरों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी की गई थी। इस हमले के बाद सीएम उमर ने कहा था कि घाटी में बढ़ते आतंकी हमलों से परेशान हो गया हूं।

बिहार कोकिला शारदा सिन्हा का निधन

छठ गीतों से पहचान मिली, पर्व के पहले दिन दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली

■ संजीवनी टुडे

पटना। दिल्ली एम्स में भर्ती बिहार की मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा का मंगलवार रात निधन हो गया। वे 72 साल साल की थीं। छठ महापर्व के पहले दिन उन्होंने अंतिम सांस ली। 26 अक्टूबर तबीयत बिगड़ने के बाद शारदा को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। 3 नवंबर को उनकी हालत में सुधार होने पर प्राइवेट वार्ड में आईसीयू शिफ्ट किया गया। 4 नवंबर की शाम उनका ऑक्सीजन लेवल गिरने लगा था, इसके बाद से वे वेंटिलेटर पर थीं। शारदा के निधन पर पीएम मोदी ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा- उनके (शारदा) गाए मैथिली और भोजपुरी के

लोकगीत पिछले कई दशकों से बेहद लोकप्रिय रहे हैं। महापर्व छठ से जुड़े उनके गीतों की गूंज भी सदैव बनी रहेगी। मंगलवार को पीएम ने शारदा के बेटे अंशुमान सिन्हा से फोन पर बात की थी। उन्होंने शारदा सिन्हा के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। वहीं, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी सिन्हा के परिवार से दिल्ली एम्स में मिलने पहुंचे थे। सोमवार शाम केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी दिल्ली एम्स गए थे। शारदा सिन्हा को 26 अक्टूबर को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। बीते 12 दिन से उनका यहां इलाज चल रहा था। उन्हें खाने-पीने में भी दिक्कत हो रही थी। 4 नबंवर की शाम यूट्यूब पर लाइव आकर शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान ने लोगों से मां के लिए दुआ करने को कहा था। उन्होंने कहा था, ‘मेरी मां वेंटिलेटर पर हैं। उन्हें प्रार्थना और दुआ की बहुत जरूरत है। अब आप सभी लोग प्रार्थना जारी रखिए। एक बड़ी लड़ाई में मेरी मां जा चुकी हैं। इस लड़ाई से जीतना काफी मुश्किल है।

गुजरात के आणंद में बुलेट ट्रेन ट्रैक का पुल गिरा

2 मजदूरों की मौत, एक गंभीर घायल, एक की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

■ संजीवनी टुडे

आणंद। गुजरात के आणंद में बुलेट ट्रेन के लिए बनाए जा रहे ट्रैक का निर्माणाधीन पुल गिर गया है। पुल के मलबे में कई लोगों के दबे होने की जानकारी मिली है। आणंद जिले के पुलिस अधीक्षक जी. जी. जसानी ने बताया कि वासद के पास बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट चल रहा था, जिसमें लोहे की जाली गिरने से तीन से चार मजदूरों के दबने की सूचना मिली थी। 2 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर को बचा लिया गया है। अभी एक मजदूर के फंसे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बुलेट ट्रेन के 12 पुलों का निर्माण पूरा हो चुका मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारे के लिए गुजरात में कुल 20 नदी पुल में से 12 का निर्माण पूरा हो गया है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात के नवसारी जिले में खरेरा नदी पर 120 मीटर लंबा पुल हाल ही में पूरा हुआ है। इसके साथ ही 12 पुल का निर्माण पूरा कर लिया गया है। 508 किलोमीटर लंबा है ट्रैक मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा कुल 508 किलोमीटर लंबा है।

साबरमती जैसे कुल 12 स्टेशन बनाने की योजन

इस प्रोजेक्ट में गुजरात का 352 किलोमीटर और महाराष्ट्र का 156 किलोमीटर हिस्सा शामिल है। इसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, अहमदाबाद, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद और साबरमती जैसे कुल 12 स्टेशन बनाने की योजना है। इससे पहले NHSR-CL ने नवसारी के सिसोदरा गांव में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग

(एनएच) 48 पर 210 मीटर प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) पुल के पूरा होने की घोषणा की थी। यह स्पैन-बाय-स्पैन (एसबीएस) मेथड का उपयोग करके राजमार्ग पर निर्मित दूसरा पीएससी बैलेंस्ड कैंटिलीवर पुल है। इस पुल में 72 प्रीकास्ट सेगमेंट और चार स्पैन हैं. दो स्पैन 40 मीटर वाले और अन्य दो 65 मीटर वाले. वहीं, दूसरी तरफ राजमार्ग के दोनों ओर ट्रैफिक लेन बने हुए हैं। मुंबई से अहमदाबाद के बीच देश की पहली बुलेट ट्रेन चलाने को लेकर नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड दिन रात एक किए हुए है. गक्ख्रट्टएख्र ने जिस 12 वें पुल का निर्माण सफलतापूर्वक किया है उसकी लंबाई 120 मीटर है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कॉस्ट 1.08 लाख करोड़ रुपए है। मुंबई-अहमदाबाद रूट पर बुलेट ट्रेन की मैक्सिमम स्पीड 350 किमी/घंटा होगी। अभी मुंबई-अहमदाबाद के बीच नॉर्मल ट्रेन से दूरी 7-8 घंटे की है। अगर बुलेट ट्रेन 12 स्टेशनों पर रुकेगी तो 3 घंटे में 508 किमी का सफर पूरा करेगी।

खबरें फटाफट

मुख्यमंत्री 11 को सराडा में,जन सभा को करेंगे संबोधित

संजीवनी टुडे

सराडा।मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 11 नवम्बर को सराडा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी शांता देवी अमृत लाल मीणा के समर्थन में विशाल जन सभा को संबोधित करेंगे। जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी ने जानकारी देते हुए बताया की कार्यक्रम स्थल के चयन से लेकर कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों की योजना को लेकर पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी,सांसद डा मन्नालाल रावत,जिलाध्यक्ष डा चंद्रगुप्त सिंह चौहान,उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन,पूर्व जिलाध्यक्ष तख्त सिंह शक्तावत ने बैठक लेकर कार्यकर्ताओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सराडा मे प्रसिद्ध खमेरेश्वर महादेव पर मनसा व्रतधारियों ने महादेव को लगाया लड्डओं का भोग

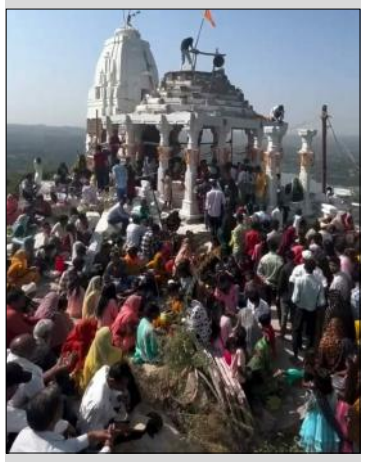

संजीवनी टुडे

सराडा।मंगलवार को मनसा व्रत पूर्ण होने पर सराडा मे प्रसिद्ध खमेरेश्वर महादेव पर मनसा व्रतधारियों ने विधि विधान से पूजन कर लड्डूओं का भोग लगाया।सुबह से ही मन्दिर मे व्रतधारियों की भीड़ उमड़ पडी।करीब 600 से अधिक मनसा व्रतधारियों ने यहाँ कथा सुनकर लड्डूओं का भोग लगा कर व्रत का उद्यापन किया।वही सराडा सहित आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को मनसा महादेव व्रत उद्यापन को लेकर बाजरों में खासी भीड़ रही।वहीं शिवालयों को भी सजाया गया।

मतदान दिवस पर 13 को सलूंबर विधानसभा क्षेत्र में अवकाश घोषित

संजीवनी टुडे

सलूंबर। निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा उपचुनाव 2024 के लिए घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार उदयपुर जिले की सलूंबर विधानसभा में बुधवार 13 नवंबर को मतदान दिवस नियत किया गया है। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) अरविंद पोसवाल ने एक आदेश जारी कर सलूंबर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान दिवस पर 13 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इसके साथ ही निर्वाचन क्षेत्र के समस्त कार्यालयों में मतदान दिवस को अवकाश घोषित किया है। वहीं जिन विद्यालयों में मतदान संबंधी कार्य सम्पन्न किया जाना है और मतदान दलों के रुकने की व्यवस्था की जानी है वहां मंगलवार 12 नवंबर को भी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इसके साथ ही संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित निजी या सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, औद्योगिक उपक्रम या व्यवसाय में कार्यरत कामगारों का मतदान दिवस पर सवैतनिक अवकाश देय होगा।

पानी के बिलों को जमा कराने की तिथि बढ़ाई

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। शहरी जल योजना डूंगरपुर के अन्तर्गत माह मार्च, अप्रैल, मई व जून 2024 के पानी के बिलों को जमा करने की तिथि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 10 नवम्बर की गई है। यह जानकारी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सहायक अभियंता शंकरलाल रोत ने दी।

कलक्टर की अध्यक्षता में दो दिन निरंतर होगी जल वितरण समिति की बैठकें

संजीवनी टुडे

राजसमंद। जल संसाधन खंड के अधिशाषी अभियंता प्रतीक चौधरी ने बताया कि राजसमंद वृहद सिंचाई परियोजना से वर्ष 2024 रबी फसल जल वितरण उपयोग समिति की बैठक 5 नवंबर को सायं 4 बजे जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार से नंदसमंद मध्यम सिंचाई परियोजना से वर्ष 2024 रबी फसल जल वितरण उपयोग समिति की दोपहर 12:00 बजे जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में नंदसमंद बांध विश्रांति गृह में तथा चिकलवास लघु सिंचाई परियोजना से रबी फसल वर्ष 2024 जल वितरण उपयोग समिति की बैठक 6 नवंबर सायं 4:30 बजे जिला कलक्टर की अध्यक्षता में चिकलवास निरीक्षण गृह में आयोजित की जाएगी।

सरकार की योजनाओं से हर पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करें, एक भी वंचित न रहे: जिला कलक्टर

जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने मंगलवार को सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन में विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों, बजट घोषणाओं आदि की प्रगति पर विस्तार से समीक्षा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एडीएम नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा, एसडीओ बृजेश गुप्ता सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि, लोक निर्माण, बिजली, पेयजल, सहकारिता, नगर निकाय सहित हर विभाग विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिला कलक्टर असावा ने अधिकारियों को विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और तत्परता बनाए रखने के निर्देश देते हुए विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की और लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने और कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा क्षेत्रों में सुधार की दिशा में आवश्यक कदम उठाने की बात कही। कलक्टर ने संपर्क पोर्टल के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिकारी पोर्टल पर शिकायत करने वाले परिवादी को राहत देना तब ही बताएं जब वे सच में उसे राहत दें, गलत सूचना अपलोड नहीं करें, गलत जवाब अपलोड करने पर जवाबदही तय होगी। उन्होंने राहत के संबंध में कम संतुष्टि प्रतिशत वाले विभागों को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही उपखंड अधिकारी राजसमंद को निर्देश दिए कि हर विभाग के 10-10 परिवादियों को कलेक्ट्रेट से फोन करें और पूछें कि आपको सही में राहत मिली या नहीं। कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत बात करें और

संवेदनशीलता के साथ आमजन की समस्याओं का समाधान करें क्योंकि संपर्क पोर्टल आमजन की शिकायतों के समाधान का सशक्त माध्यम है। जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए और जन समस्याओं के समाधान में कोई भी ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण न केवल गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो, बल्कि उसे पोर्टल पर अद्यतन भी किया जाए ताकि शिकायतकर्ता को अपने समाधान की स्थिति का समय-समय पर पता चलता रहे। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों का समाधान करते समय लोगों की संतुष्टि का विशेष ध्यान रखा जाए, और इसके लिए सभी विभागीय अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता से लंबित घरेलू, अघरेलू, कृषि, औद्योगिक कनेक्शन के आवेदनों की स्थिति जानी और लंबित रहने का कारण पूछते हुए समय पर कनेक्शन करने के निर्देश दिए। इस तरह पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा करते हुए कम प्रगति होने पर निर्देश दिए कि अधिक से अधिक शिविर लगाकर उपभोक्ताओं को जोड़ें और योजना का जन मानस में प्रभावी प्रचार प्रसार करें। उन्होंने कहा कि इस योजना को लेकर वो विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता स्तर तक के सभी अधिकारियों के साथ 4 दिसंबर को बैठक करेंगे ताकि ठीक से क्रियान्वयन हो। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के घरों में कनेक्शन लग गए हैं और जिन्हें बिजली पर खर्च से मुक्ति मिली है उनका उदाहरण अन्य लोगों को बताएं। इसी तरह कलक्टर ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, अटल भूजल मिशन साहित जल ग्रहण विकास कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 की समीक्षा के दौरान वाटरशेड अधीक्षण अभियंता अनिल सनाढ्य ने बताया कि प्रथम चरण में जिले के 55 ग्राम पंचायतों के 119 गवों में 1152 कार्य 40.80 करोड़ रुपए की लागत से होंगे। इसके बाद कलक्टर ने एमपीलेड और एमएलएलेड के लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के सत्यापन, पालनहार की स्थिति की समीक्षा की।

मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को किया मतदान के लिए जागरूक

संजीवनी टुडे

सलूंबर। विधानसभा उप चुनाव के तहत रिटर्निंग अधिकारी पर्वत सिंह चुंडावत,सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सराड़ा आस्था रानी बामनिया एवं स्वीप प्रभारी विधानसभा सलूम्बर दिनेश चंद्र पाटीदार के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम के तहत विधान सभा सलुम्बर के चावण्ड बस स्टैंड पर सतरंगी सप्ताह के तहत्वमतदाता जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया गया सलुम्बर स्वीप प्रकोष्ठ से इन्द्र लाल पंचाल एवं कैलाश चंद्र पांडे ने लक्षित समूह कारीगर एवं मजदुर वर्ग तथा महिला वर्ग को मतदान करने हेतु प्रेरित किया।विकास अधिकारी केदार नारायण चौधरी ने शत प्रतिशत मतदान करने हेतु लोगो को प्रेरित किया और मतदाताओं से मतदान की अपील की।क्षेत्र से बाहर निवासरत लोगो को मतदान करने हेतु मोबाइल से सूचना देने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही हस्ताक्षर अभियान का आयोजन करके एवं पीले चावलों से मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। विकास अधिकारी केदार नारायण चौधरी ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि चुनाव को विधिवत रूप से संपादित कराने हेतु सम्पूर्ण तैयारियां की जा रही है। उसी के अनुरुप हमारी टीम आपके बीच लोकतंत्र के महत्व को रेखांकित करने आई है। चुनाव आयोग ने मतदान करने के लिए मतदाता फोटो पहचान पत्र के अलावा आईडी के रूप में 12 प्रकार के दस्तावेजों को मान्यता दी है। इसमें से कोई भी एक दस्तावेज आईडी के रूप में मान्य होगा। इस अवसर मतदाताओं से मतदान दिवस 13 नवंबर को अधिकाधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए भय मुक्त होकर सभी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लें।

शादी कर साढ़े 3 लाख रुपए और जेवरात हड़पने के मामले में फर्जी दुल्हन, दलाल मौसी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

गुड़ली। युवक से शादी कर साढ़े तीन लाख रुपए व जेवरात हड़पने के मामले में मावली पुलिस ने फर्जी दुल्हन व दलाल मौसी को गिरफ्तार किया है। मावली थाने में 27 जुलाई 2024 को प्रार्थी कालू पुत्र शंकरलाल सुथार निवासी थामला ने रिपोर्ट मावली थाने में 27 जुलाई 2024 को प्रार्थी कालू पुत्र शंकरलाल सुथार निवासी थामला ने रिपोर्ट पेश की कि अविवाहित होने पर शादी करने के लिए मैरिज ब्यूरो चलाने वाली मनोरमा से मुलाकात की। उसने मुझे शादी का झांसा देकर अपने साथी दलालों के साथ नेहा शर्मा नाम की फर्जी दुल्हन से शादी करवा कर लगभग साढ़े तीन लाख रुपए व जेवरात हड़प लिए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया। अनुसंधान के दौरान तीन दलालों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्रकरण में अरसीना बी पत्नी फैसल खान निवासी जरबन कॉलोनी धर्मकाटां गली नंबर 3 खंडवा थाना मोगट जिला खंडवा एमपी हाल सागोर कुटी चौराहा प्रीथमपुर द्वारा

अपना सही नाम छुपा फर्जी आईडी नेहा शर्मा के नाम से शादी करने एवं आरोपी बबीता पत्नी सुभाष पाटीदार निवासी तिल्लोर खुर्द थाना खडेल जिला इंदौर प्रकरण में फर्जी दुल्हन नेहा शर्मा की मौसी पिंकी के नाम से फर्जी आईडी लगाकर प्रार्थी के साथ दलालों से मिलकर रुपए लेकर धोखाधड़ी करना पाया गया। इस पर दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में मावली के थानाधिकारी रमेश कविया सहित सुरेश सिंह, भरतलाल, चमन सिंह, मनीषा शामिल थे।

धुव त्रिपाठी को सौंपी विश्वविद्यालय टीम की कप्तानी

संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रतिभावान राष्ट्रीय खिलाड़ी ध्रुव त्रिपाठी को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की लॉन टेनिस टीम का कप्तान नियुक्त कर इनका चयन वेस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय लॉन टेनिस प्रतियोगिता के लिए किया गया। यह प्रतियोगिता मध्यप्रदेश के ग्वालियर में आगामी सात नवंबर से प्रारंभ होकर 11 नवंबर तक आईटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित होगी। ध्रुव के चयन पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा, क्रीड़ा मंडल के चेयरमैन प्रो नीरज शर्मा, सचिव डॉ भीमराव पटेल ने टीम को शुभकामनाएं देकर रवाना किया। वर्तमान में विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थी ध्रुव ने सफलता का श्रेय अपने कोच खेमराज गमेती एवं प्रतिभावान खिलाड़ी व शारीरिक शिक्षक उज्ज्वल दाधीच को दिया। ध्रुव के पिता अशोक त्रिपाठी ने बताया कि ध्रुव विगत दो वर्षों से उदयपुर में महाराणा प्रताप खेलगांव एवं कपासन टेनिस क्लब में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। टीम मैनेजर मोहन लाल सालवी, खिलाड़ी खुशाल प्रजापत, विकास चौधरी, रमेश सुथार, गौरांग चौहान शामिल है। विश्वविद्यालय की कप्तानी मिलने पर विद्या भवन रुरल इंस्टिट्यूट के निदेशक टीपी शर्मा, खेल विभाग समन्वयक डॉ नीरू श्रीमाली ने भी उन्हें बधाई दी है।

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर की एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की 100 सीटों के बढाने के मामलें में राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर द्वारा रोक लगाई गई

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की खण्डपीठ के न्यायाधीश श्री चन्द्रशेखर एवं न्यायाधीश रेखा बोराना द्वारा नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा दायर अपील पर विस्तृत बहस सुनकर पेसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर को एम.बी.बी.एस. की 150 से 250 सीट करने के आदेश पर रोक लगा दी है। एनएमसी की ओर से उपस्थित हुए एडिशनल सॉलिसीटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने न्यायालय को बताया कि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर को पूर्व में एम.बी.बी.एस. की 150 सीट आवंटित की गई थी परन्तु आधारभूत संरचना एवं उचित फ़ेकल्टी ना होने के कारण सीट घटाने का नोटिस दिया गया जिस पर सुनवाई करते हुए पहले से ही अध्ययनरत विधार्थियों के भविष्य को देखते हुए सीट कम ना करके 6 लाख रूपयों का दण्ड पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर पर लगाया गया। इसी बीच पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर ने एम.बी.बी.एस. की 150 सीटों से बढाकर 250 सीट आवंटित करने हेतु आवेदन पत्र दिया जिस पर पूर्ण विचार कर एनएमसी द्वारा उसे निरस्त कर दिया गया जिसके विरूद्ध पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर द्वारा अपील भी दायर की गई और अपील के लम्बित रहने के दौरान ही राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर की एकल पीठ के समक्ष रिट याचिका दायर की गई। इसी बीच पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर की अपील भी एनएमसी द्वारा खारिज कर दी गई। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष यह तर्क दिया कि उनके पास 250 सीट के हिसाब से पूरी आधारभूत संरचना एवं फैकल्टी है परन्तु एनएमसी द्वारा आवेदन पत्र को गलत रूप से निरस्त कर दिया और अपील भी बिना किसी कारण के निरस्त कर दी गई। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकल पीठ के न्यायाधीश दिनेश मेहता ने रिट याचिका मंजूर करते हुए एनएमसी को यह आदेश दिया कि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर को एम.बी.बी.एस. की 100 सीटे और आवंटित की जावे। एनएमसी की ओर से इस आदेश दिनांक 8.10.2024 के विरुद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की खण्डपीठ के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई। अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने अपील पर बहस करते हुए न्यायालय को बताया कि एनएमसी का निर्णय पूर्णतया सही एवं तथ्यों पर आधारित है और जब कॉलेज का निरीक्षण किया गया तब फ़ेकल्टी एवं अन्य आधारभूत संरचनाएँ नियमों से कम पाई गई। श्री रस्तोगी ने सुप्रीम कोर्ट के बहुत सारे निर्णयों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए तर्क दिया कि ऐसे विशेष पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु एनएमसी जैसी विशिष्ट संस्था का निर्णय ही अन्तिम होता है और न्यायालय को सामान्यतया उस निर्णय को तथ्यों के आधार पर नहीं बदलना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में न्यायिक पुनरीक्षण का अधिकार काफी कम हद तक होता है। उनके द्वारा यह भी कहा गया कि जब कॉलेज के पास 150 विधार्थियो को शिक्षा देने हेतु नियमानुसार फ़ेकल्टी एवं संरचना उपलब्ध नही है तब उस दशा में किसी भी प्रकार से 100 ओर सीटे बढ़ाने का औचित्य नहीं था। रस्तोगी ने यह भी तर्क दिया मेडिकल शिक्षा एक विशिष्ट स्थान रखती है और सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों के अनुसार ऐसी विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में सामान्यतया न्यायालय को दखल नही देना चाहिए। उच्च न्यायालय की खण्डपीठ ने मामलें पर विस्तृत सुनवाई कर और दोनों पक्षों को सुनकर उच्च न्यायालय जोधपुर की एकलपीठ के निर्णय के उस निर्णय पर रोक लगा दी जिसके द्वारा पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर की एम.बी.बी.एस. की सीट 150 से बढ़ाकर 250 कर दी गई थी। इस आदेश से एन.एम.सी. को बहुत बड़ी राहत मिली है।

चौरासी वि.स. क्षेत्र उपचुनाव-2024: 251 मतदान केन्द्रों पर 13 को होगा मतदान, 23 को आएंगे नतीजे

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिले के चौरासी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के तहत 13 नवम्बर को होने जा रहे मतदान के लिए तैयारियां जोरों पर है। मंगलवार को एसबीपी कॉलेज में 251 मतदान केन्द्रों पर मतदान के लिए आवंटित और रिजर्व ईवीएम-वीवीपेट मशीनों की कमीशनिंग का कार्य शुरू हुआ, जो 7 नवम्बर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री के. विवेकानंदन, व्यय प्रेक्षक श्री स्वप्निल शरद बावकर, जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंकित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका सेन ने एसबीपी कॉलेज में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम, मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण, मतदान दलों की रवानगी, आदर्श आचार संहिता की पालना, कानून व्यवस्था, सीसीटीवी सेंटर सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सामान्य प्रेक्षक श्री विवेकानंदन ने मतगणना हॉल, ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, मीडिया सेंटर आदि का निरीक्षण करते हुए पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश

धाकड़, एडिशनल एसपी अशोक मीणा, रिटर्निंग अधिकारी कपिल कोठारी, पीडब्ल्यूडी एईएन दीपिका पाटीदार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका सेन ने ईवीएम रेंडमाइजेशन, ईवीएम स्टोरेज, होम वोटिंग, मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण, मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनीटरिंग, सी-विजिल एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों, आदर्श आचार संहिता की पालना, व्यय अनुवीक्षण, एरिया डोमिनेशन, माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती, लॉ एंड ऑर्डर सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रजेंटेशन दिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र बल, होम वोटिंग, विभिन्न प्रकोष्ठ, व्यय अनुवीक्षण, रिजर्व सहित निर्वाचन से संबंधित अन्य कार्यों के लिए कुल 445 वाहनों का अधिग्रहण किया गया है, इनमें बस, मिनी ट्रक, पिकअप, जीप व अन्य वाहन शामिल हैं। सामान्य प्रेक्षक श्री विवेकानंदन ने जिला कलक्ट्रेट परिसर स्थित जिला स्तरीय एकीकृत नियंत्रण कक्ष का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया अनुवीक्षण प्रकोष्ठ में कार्मिकों से उनके कार्य के बारे में जानकारी ली। एक-एक कर उपस्थित सभी कार्मिकों से संधारित किए जा रहे रजिस्टरों और रिकॉर्डिंग आदि की जानकारी ली। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, केबल और सोशल मीडिया पर प्रसारित राजनीतिक विज्ञापनों, पेड न्यूज और आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तरीय आदर्श आचार संहिता, सी-विजिल, शिकायत निवारण कंट्रोल रूम 1950, सामान्य नियंत्रण कक्ष में जाकर प्राप्त होने वाली शिकायतों और उनके निस्तारण की जानकारी ली। सभी प्रकोष्ठों को समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़ भी साथ थे।

व्यय प्रेक्षक बावकर ने जिला स्तरीय एकीकृत नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया

आचार संहिता उल्लंघन करने वाले कार्मिकों पर हो कड़ी कार्रवाई: व्यय प्रेक्षक स्वप्निल शरद बावकर

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। व्यय प्रेक्षक श्री स्वप्निल शरद बावकर ने जिला स्तरीय एकीकृत नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। मीडिया अनुवीक्षण प्रकोष्ठ में सोशल मीडिया के माध्यम से पेड कैंपेन पर निगरानी रखने के निर्देश देते हुए सोशल मीडिया पर पेड कैम्पेन पर होने वाले खर्च को प्रत्याशियों के चुनाव खर्च में शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित कार्मिकों से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रसारित हो रहे समाचारों की प्रकृति, विज्ञापन, आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों आदि की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने संधारित किए जा रहे रजिस्टरों और रिकॉर्डिंग का भी अवलोकन किया। व्यय प्रेक्षक श्री बावकर ने जिला स्तरीय आदर्श आचार संहिता नियंत्रण कक्ष में अब तक प्राप्त हुई आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों और उन पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली। इनमें ज्यादातर सरकारी कार्मिकों की शिकायतें पाई जाने पर व्यय प्रेक्षक ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन या राजनीतिक गतिविधियों में लिप्त होने वाले सरकारी कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। सी-विजिल नियंत्रण कक्ष में उपस्थित कार्मिकों ने बताया कि अब तक सी-विजिल एप के माध्यम से 19 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 16 शिकायतों पर एफएसटी टीमों के पहुंचने पर शिकायतें सही नहीं पाई गई, जबकि बिना अनुमति के पोस्टर बैनर लगाने, प्रतिबंधित अवधि के दौरान प्रचार से संबधित तीन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की गई। व्यय प्रेक्षक श्री बावकर ने सी-विजिल एप पर प्राप्त शिकायतों के क्रम में की गई कार्रवाई के फोटो-वीडियो भी अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एफएसटी, एसएसटी और वीएसटी की टीमें घूम रही हैं। उनकी प्रॉपर लोकेशन लेते रहें।

सी-विजिल पर करें शिकायत, 100 मिनट में होगी कार्रवाई- व्यय प्रेक्षक

व्यय प्रेक्षक बावकर ने कहा कि विधानसभा उप चुनाव के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के सी-विजिल एप का उपयोग कर आमजन लोकतंत्र के सजग प्रहरी की भूमिका निभा सकते हैं। मोबाइल एप सी-विजिल के माध्यम से आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत कर सकते हैं। इस शिकायत पर 100 मिनट में कार्यवाही होगी। उन्होने कहा कि हथियारों का प्रदर्शन, मतदाताओं को प्रलोभन के लिए निःशुल्क उपहारों का वितरण, मतदाताओं को परिवहन साधनों से वोट डालने ले जाना, फ़ेक न्यूज, पेड न्यूज, डराना-धमकाना, सार्वजनिक संपत्ति पर विज्ञापन, धन वितरण, हेट स्पीच, सांप्रदायिक भाषण एवं शराब व नशीले पदार्थ के वितरण सम्बन्धित शिकायत कर सकते हैं। शिकायतकर्ता के चाहने पर नाम गोपनीय रखा जाएगा।

सलूम्बर विधानसभा उपचुनाव 2024: होम वोटिंग के दूसरे दिन दिखा खासा उत्साह

संजीवनी टुडे

सलूंबर। सलूम्बर विधानसभा उपचुनाव-2024 के तहत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जारी होम वोटिंग के प्रथम चरण के दूसरे दिन मंगलवार को पात्र मतदाताओं ने पूर्ण उत्साह के साथ अपना दायित्व निभाया। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल के निर्देशन में होम वोटिंग टीमों पथरीली राहों एवं पगडंडी के सहारे बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर पहुंच कर मत की गोपनीयता का पूर्ण ध्यान रखते हुए उनसे मतदान कराया। घर बैठे मतदान का अवसर पाकर मतदाताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए निर्वाचन आयोग तथा जिला प्रशासन की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। रिटर्निंग अधिकारी सलूम्बर पर्वत सिंह चुण्डावत ने बताया कि दूसरे दिन 144 वरिष्ठ नागरिक तथा 18 दिव्यांगजन सहित कुल 162 मतदाताओं की होम वोटिंग के लक्ष्य के मुकाबले क्रमशः 139 वरिष्ठ नागरिकों और 17 दिव्यांग सहित कुल 156 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। 8 नवम्बर तक चलने वाले प्रथम चरण में टीमें 85 वर्ष से अधिक आयु के तथा 40 प्रतिशत से अधिक विकलांगता वाले दिव्यांगजनों जिन्होंने होम वोटिंग का विकल्प चुना है, उनके घर-घर जाकर मतदान कराएगी।

प्रथम चरण में अनुपस्थित पाए गए मतदाताओं को 9 एवं 10 नवम्बर को होने वाले द्वितीय चरण में अवसर दिया जाएगा। दोनों ही चरणों में अनुपस्थित रहने वाले मतदाताओं को मतदान का अवसर नहीं मिलेगा। वे मतदाता बूथ पर जाकर भी अपने मताधिकार का उपयोग नहीं कर पाएंगे। सामान्य प्रेक्षक जे विजयारानी ने सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर 13 नवंबर को यहां होने वाले मतदान के दृष्टिगत विभिन्न मतदान केन्द्रों का दौरा किया। उन्होंने हिकावाड़ा, अमलोदा, नोकली, बंजारों का टाडा, समोडा बूथों का निरीक्षण किया और झल्लारा चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। सराडा में बाणा खुर्द, नावडा मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।उन्होंने मतदान के दौरान निर्वाचन विभाग की गाइडलाइन की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने और मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं के व्हील चेयर, कुर्सी इत्यादि की व्यवस्था करते हुए उन्हें प्राथमिकता व सुलभता के साथ मतदान करवाने की बात कही।र् इस अवसर पर एसीईओ दिनेश चंद्र पाटीदार, सराडा तहसीलदार आस्था रानी बामणिया, अभिनीत शर्मा, घनश्याम चंदेल पटवारी सहित बीएलओ आदि उपस्थित रहे। होम वोटिंग के निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार 6 नवंबर को नेवातलाई, कोटडी, पाडला, खोडी मऊडी, झालरदेवी, नाल हल्कार, सराडा, पाल सराडा, पादरडा, श्यामपुरा (गातोड), वीरपुरा, दवाणा, जूनीझर, जावद, खरका, पानी कोटडा, सराडी, सिंघावली, ओरवाडिया, कानपुरा, अदकालिया, लकीपा, सलूम्बर, सीपुर ढानी व सीपुर मल्लाडा में मतदान दल पहुंचकर पात्र मतदाताओं को होम वोटिंग से मतदान करवाएंगे।

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव: मतदान की वेबकास्टिंग की लाइव मॉनिटरिंग पर फोकस रहेगा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर-उदयपुर। राजस्थान में 7 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के दौरान मतदान केंद्रों से वेबकास्टिंग पर निर्वाचन विभाग का विशेष फोकस रहेगा, ताकि मतदान प्रक्रिया में किसी भी रुकावट या व्यवधान का तुरंत समाधान किया जा सके। इसी प्रकार भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भी वेबकास्ट वीडियो की लाइव निगरानी की जाएगी। जिससे मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की लम्बी कतार लगने या मतदान दल को आ रही कठिनाई को दूर करने की व्यवस्था जा सके। भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार और मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मंगलवार को 7 विधानसभा क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ आयोग की ओर से आयोजित वीडियो कांफ्रेंस बैठक में इस विषय में निर्देश दिए। उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित कांफ्रेंस में राज्य के पुलिस महानिरीक्षक सतर्कता प्रफुल्ल कुमार, पुलिस महानिरीक्षक एटीएस हेमंत कुमार शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक कानून-व्यवस्था अनिल कुमार टांक सहित निर्वाचन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। महाजन ने बताया कि उपचुनाव के दौरान स्वतंत्र, निष्पक्ष और भय रहित मतदान के लिए आधे से अधिक मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। मतदान के समय वेबकास्ट फीड की लाइव मॉनिटरिंग और त्वरित सुधारात्मक कार्यवाही के लिए स्थानीय स्तर पर कार्ययोजना और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई गई है। इसके अनुसार वेबकास्ट फीड की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। कुछ भी असामान्य नजर आने पर उसका विश्लेषण और उस पर आवश्यक कार्रवाई तत्काल की जाएगी. उन्होंने कहा कि उपचुनाव के दौरान जिन मतदान केन्द्रों को संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है, उन पर विभाग का विशेष फोकस रहेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राजस्थान

में उपचुनाव के दौरान सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 आदर्श मतदान केन्द्र तैयार किए जाएंगे. इन 'इको-फ्रेंडली' मतदान केन्द्रों में प्लास्टिक से बनी किसी भी वस्तु का उपयोग नहीं होगा और चुनाव कार्य में उपयोग की जाने वाली सामग्री भी यथासंभव प्लास्टिक से बनी हुई नहीं होगी। इन मतदान केन्द्रों पर चाय आदि पीने के लिए कुल्हड़ का उपयोग किया जाएगा।

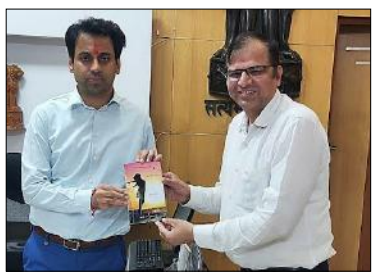

महाजन ने बताया कि उपचुनाव वाले विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं को मतदान-दलों और मतदान कार्य से जुड़ी अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए नियोजित नहीं किया गया है। इसके परिणामस्वरूप 7 विधानसभा क्षेत्रों में यथासंभव किसी भी कार्मिक या अधिकारी के लिए पोस्टल बैलट जारी करने की जरूरत नहीं है. विशेष परिस्थितियों में केवल कुछ महिला और दिव्यांग कार्मिकों के लिए ईडीसी (चुनाव कार्य प्रमाण-पत्र) के आधार पर मतदान की व्यवस्था की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, 7 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 19,37,485 मतदाताओं के मतदान के लिए 1,862 मतदान केन्द्रों के साथ-साथ 53 सहायक मतदान केन्द्र भी बनाए गए हैं, जो गत लोकसभा आम चुनाव के दौरान बनाए गए सहायक मतदान केन्द्रों से 22 अधिक हैं. उन्होंने कहा कि इससे मतदान के दौरान लम्बी कतारों से निजात मिल सकेगी। उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार ने प्रदेश में उपचुनाव के दौरान किए जा रहे नवाचारों की सराहना की और कहा कि अन्य राज्यों में भी ऐसी व्यवस्थाएं की जानी चाहिए। उन्होंने वेबकास्टिंग की लाइव मॉनिटरिंग के लिए बनी स्थानीय कार्ययोजना और एसओपी आयोग के साथ साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग भी वेबकास्ट फीड की समुचित लाइव मॉनिटरिंग करेगा और मतदाताओं की लम्बी कतार लगने की स्थिति में फील्ड में मौजूद ऑब्जर्वर सहित अन्य अधिकारियों को समुचित निर्देश जारी करेगा। वीडियो कांफ्रेंस के दौरान सभी 7 जिला निर्वाचन अधिकारियों ने चुनाव की तैयारियों के विषय में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिए। उन्होंने मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं, होम वोटिंग तथा सेवा नियोजित मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलट की प्रक्रिया, ईवीएम तथा वीवीपैट मशीनों के रेंडमाइजेशन, मतदान दलों के गठन और प्रशिक्षण, मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) और मतदाता निर्देशिका (वीजी) के वितरण, मतदान कार्मिकों की रवानगी और मतदान के बाद ईवीएम मशीनों के भण्डारण, मतगणना की व्यवस्था तथा सुरक्षा के साथ-साथ राजनैतिक दलों के साथ विभिन्न स्तर पर सम्पर्क आदि बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की। जिला पुलिस अधिकारियों ने मतदान केन्द्रों, ईवीएम के भण्डारण और परिवहन सहित क़ानून-व्यवस्था की सामान्य स्थिति, चुनाव के दौरान सुरक्षा की स्थिति, संवेदनशील क्षेत्रों और मतदान केन्द्रों के लिए सुरक्षा योजना सहित अन्य सम्बंधित विषयों पर चर्चा की।

खबरें फटाफट

उप मुख्यमंत्री का चाकसू विधायक बैरवा ने किया स्वागत सत्कार

■ संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां मंगलवार को देवली उनियारा विधानसभा के उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में वोट मांगने जाते समय चाकसू विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामावतार बैरवा द्वारा राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा का आगमन के समय राजस्थान रीति रिवाज के अनुसार साफ़ा व माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया है। और वही चाकसू विधायक ने उप मुख्यमंत्री के साथ देवली उनियारा विधानसभा में पहुंचकर भाजपा पार्टी के प्रत्याशी राजेंद्र गुर्जर को वोट देने के लिए घर-घर जाकर लोगों से अपील भी की गई है ।

बकायादारों के लिए बकाया ब्याज की शत-प्रतिशत माफी का लाभ

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। राज्य सरकार द्वारा आबकारी विभाग की पुरानी बाकीयात को निपटाने के लिए आबकारी एमनेस्टी योजना - 2024 प्रारंभ की है जिसके तहत बकायादारों को बकाया राशि जमा करवाने पर बकाया ब्याज की शत-प्रतिशत माफी का लाभ प्रदान किया जा रहा है। आबकारी आयुक्त श्री शिवप्रसाद एम नकाते ने बताया कि आबकारी विभाग के बकायादारों के लिए आबकारी एमनेस्टी योजना- 2024 पुरानी बकाया को निपटाने का सुगम अवसर है। उक्त योजना के तहत बकायादारों द्वारा बकाया राशि जमा करवाने पर बकाया ब्याज की शत-प्रतिशत माफी के साथ ही मूल बकाया राशि में भी छूट का प्रावधान किया गया है। यह योजना 31 दिसम्बर 2024 तक प्रभावी है। इस योजना का लाभ लेकर पुरानी बकाया राशि का भुगतान कर अनावश्यक सम्पत्तियों की नीलामी, कुर्की, वादकरण से बचा जा सकता है। इस संबंध में जानकारी एवं बकाया प्रकरणों के निपटारे के लिए अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं आबकारी निरीक्षक से सम्पर्क किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि उक्त योजना के तहत राशि नही जमा करवाने पर बकायादारों एवं उनके जमानतियों की चल-अचल सम्पत्तियों की कुर्की की जाकर भू राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत प्रचार-प्रसार कर नीलामी एवं आवश्यक होने पर बकायादारों के विरूद्ध सिविल, फौजदारी मुकदमें दर्ज करवाने की कार्यवाही भी की जा सकती है।

कलक्टर ने काव्य रचना इश्क मेरा का किया विमोचन

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर जिला प्रशासन के मुख्य आयोजना अधिकारी 'कवि कैलाशी' पुनीत शर्मा द्वारा जीवन के विभिन्न पहलुओं को पिरोती काव्य रचना 'इश्क मेरा' का विमोचन जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने किया। उन्होंने शर्मा की इस कृति की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। पुस्तक में इश्क के विभिन्न आयामों को 21 कविताओं के माध्यम से प्रकट किया गया है। प्रत्येक कविता जीवन के हर पल, हर कार्य, हर सोपान से इश्क की भांति डूबकर ही जीवन की नैया पार लगाने को प्रेरित करती है।

मतदान दिवस पर 13 नवंबर को सलूंबर विधानसभा क्षेत्र में अवकाश घोषित

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा उपचुनाव 2024 के लिए घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार उदयपुर जिले की सलूंबर विधानसभा में बुधवार 13 नवंबर को मतदान दिवस नियत किया गया है। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) अरविंद पोसवाल ने एक आदेश जारी कर सलूंबर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान दिवस पर 13 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इसके साथ ही निर्वाचन क्षेत्र के समस्त कार्यालयों में मतदान दिवस को अवकाश घोषित किया है। वहीं जिन विद्यालयों में मतदान संबंधी कार्य सम्पन्न किया जाना है और मतदान दलों के रुकने की व्यवस्था की जानी है वहां मंगलवार 12 नवंबर को भी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इसके साथ ही संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित निजी या सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, औद्योगिक उपक्रम या व्यवसाय में कार्यरत कामगारों का मतदान दिवस पर सवैतनिक अवकाश देय होगा। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 156-सलूंबर के उपचुनाव 2024 के तहत 13 नवंबर को होने वाले मतदान के दौरान विभिन्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अरविंद पोसवाल ने आदेश जारी किये है।

न्यू जर्नलिस्ट एसोसिएशन सघ के जयपुर जिला अध्यक्ष पद पर चांदा को किया नियुक्त

पत्रकारों के साथ संगठन में रहकर कार्य करूंगा और किसी भी पीड़ित पत्रकार के साथ अगर अन्याय हो रहा तो उसको बर्दाश्त नहीं किया जायेगा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर/चाकसू। यहां मंगलवार को न्यू जर्नलिस्ट एसोसिएशन संघ की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया जिसमें चाकसू विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हूंकण निवासी सत्यनारायण चांदा को कार्यकारिणी में जयपुर जिला अध्यक्ष पद पर मनोनयन किया गया है । राष्ट्रीय संघ अध्यक्ष गौरव थते व हरीश आचार्य के निर्देश अनुसार प्रदेशाअध्यक्ष ओमप्रकाश कलाल ने नियुक्ति पत्र जारी किया है । और वहीं चांदा पूर्व में भी कई पत्रकार संगठनों में पदाधिकारी भी रह चुके हैं । वही जयपुर जिले में नए आगाज के साथ संगठन में रहकर कार्य करने और किसी भी पीड़ित पत्रकार की साथ अगर अन्याय हो रहा हो तो उसको बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और उसको न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा और वही जल्दी से जल्दी जिले की कार्यकारिणी भी गठित किए जायेंगे और संगठन को जल्द से जल्द मजबूती बनाने की बात की जायेगी पत्रकारिता के दौरान आने वाली दिक्कतों से अब पत्रकारों को डरना नहीं चाहिए कवरेज के दौरान अगर किसी पत्रकार को कोई भी दिक्कत होती है उसके लिए न्यू जर्नलिस्ट एसोसिएशन संघ पूरी तरह से पीड़ित पत्रकार की मदद के लिए तैयार खड़ा रहेगा पत्रकार

निष्पक्ष होकर अपनी पत्रकारिता करें और वही सभी पत्रकारों की हौसला हफजाई करते हुए कहा कि सभी पत्रकार एक होकर संगठन से जुड़े और किसी भी पत्रकार के साथ आपस में भेदभाव नहीं करें वही चांदा ने जानकारी देते बताया की सभी पत्रकारों को अपनी पत्रकारिता की मर्यादा में रहकर कार्य करना चाहिए कुछ युवा पत्रकार अपनी मर्यादा से बाहर जाकर कार्य करते हैं । और जिससे उनको दिक्कतों का सामना करना पड़ता है । और वही न्यू जर्नलिस्ट एसोसिएशन संघ के सभी पदाधिकारी का चांदा ने जिला अध्यक्ष बनाने पर आभार जताया गया है।

शिक्षक नेता बिरठ को सौंपा शिक्षक संघ रेसटा में जिलाध्यक्ष का दायित्व

■ संजीवनी टुडे

फलोदी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोलू पाबूजी में पदस्थापित वरिष्ठ शिक्षक दुर्गाराम बिरठ को राजस्थान शिक्षक संघ एलिमेंट्री सैकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) की फलोदी जिला शाखा का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर विश्नोई की अनुशंसा पर प्रदेशाध्यक्ष मोहरसिंह सलावद एवं प्रदेश महामंत्री नवलकिशोर मीणा ने जिलाध्यक्ष पद पर बिरठ को नियुक्त कर अगले एक माह में जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिये है। बिरठ के जिलाध्यक्ष मनोनीत होने पर मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. तरुण कुमार, अखिल भारतीय परिसंघ के प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र नागौरी, सीबीईओ विजय कुमार, डॉ. निरंजन मेहरा, डॉ. ईश्वर पंवार, केशाराम बाल्यण, अशोक कुमार मेघवाल, भैराराम लवा, जितेंद्र पालीवाल, जिलाध्यक्ष घेवरराम बिरठ, खमुराम विश्नोई, मांगीलाल लेखावत, पूराराम पंवार, कृष्ण कुमार बिरठ, बनाराम बैगड़, बनाराम भील, बाबूलाल चौहान, लाखाराम, भोजाराम, गोविंदराम, पूनाराम, बाबूराम बैगड़, चंदन कुमार, नखताराम चौधरी, हरिसिंह, फूलाराम भाटिया, खींयाराम विश्नोई, महेंद्रसिंह, मेहराराम, कंवरीलाल, मूलाराम बाल्याण, पुखराज बिरठ, गोरधनराम, देदाराम, हेमराज मेहरा, अर्जुनसिंह एवं खुशालसिंह आदि ने बधाई दी है।

सुंधामाता में उमड़ा आस्था का सैलाब

■ संजीवनी टुडे

भीनमाल। दीपावली व लाभ पंचमी पर्व को लेकर चल रही अवकाश के चलते इनदिनों दर्शनीय स्थल एवं पर्यटक स्थलों पर लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है।दीपावली से लाभ पंचमी तक जिले के ऐतिहासिक एंव पौराणिक तीर्थ धाम सुंधामाता मंदिर में भक्तों का आस्था का सैलाब उमड़ रहा है।भीड़ को लेकर श्रद्धालुओं को घंटों कतार में इंतजार के बाद दर्शन हो रहे है।चामुंडा माता ट्रस्ट व्यवस्थापक जितेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया की दीपावली से लाभ पंचमी तक पड़ोसी राज्य गुजरात में अवकाश होने के चलते बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।अधिक भीड़ को लेकर मंदिर ट्रस्ट में भक्तों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े।इसको लेकर ट्रस्ट की ओर से माकुल व्यवस्थाएं की गई है।वही रोप-वे का आनंद लेने के लिए भी श्रद्धालु घंटों कतार में खडे रह कर अपनी बारी का इंतजार कर पर्वत तक पहुंचकर माता के दर्शन कर खुशहाली की कामना कर रहे है ।श्री सुंधा माता रोपवे मैनेजर प्रहलादराय अग्रवाल ने बताया की भीड़ को देखते हुये रोपवे पर शीतल जल, छाया एंव लोगों के बैठने के लिये कुर्सियों, कूलर की व्यवस्था की गई है। ताकि आने वाली श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या का सामना नहीं करना पड़े।बता दें दीपावली पर्व को लेकर को लेकर इन दिनों लाभ पंचमी तक प्रतिष्ठानों व स्कूलों की छुट्टियां चल रही है। लोग परिवार के साथ धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर छुट्टियां मना रहे है।जिसके चलते सुंधामाता पर्वत पर इन दिनों श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है।सुंधा माता के दर्शन के लिए घंटों तक कतार में इंतजार करना पड़ रहा है।वही भीड़ को देखते हुए पुलिस जाब्ता भी तैनात किया हुआ है।

आस्था ट्रस्ट ने रा. प्रा. विद्यालय कालबेलियों की ढ़ाणी में करवाया मरम्मत कार्य

■ संजीवनी टुडे

फलोदी। जीर्ण-शीर्ण सरकारी विद्यालयों की छत टपकना एवं फर्श से चींटियां निकलना आम बात है। ऐसे विद्यालयों की पहचान कर आस्था ए डिवाइन योगिक कनेक्शन ट्रस्ट जयपुर मरम्मत कार्य करवाता है। जयपुर जिले की ग्राम पंचायत कालवाड़ में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय कालबेलियों की ढ़ाणी का भवन जीर्ण शीर्ण था। जिसमें बरसात के समय छत टपकती रहती थी एवं फर्श से चीटियां निकलती रहती थी। जिससे विद्यालय के विद्यार्थियों को पढ़ने में बहुत असुविधा होती थी।

प्रधानाध्यापक नवल किशोर शर्मा ने बताया कि इस विद्यालय का निर्माण ग्राम पंचायत कालवाड़ द्वारा सन् 2000 में किया गया। यह विद्यालय निजी काश्तकार ने मौखिक सहमति प्रदान करते हुए बनवाया परंतु कालांतर में उसने भूमि का आवंटन विद्यालय के नाम नहीं किया। अनेक प्रयासों के बाद भी जब काश्तकार नहीं माने। विद्यालय की जमीन नाम नहीं होने के कारण ग्राम पंचायत, विधायक एवं सांसद कोष से विकास कार्य नहीं करवाएं जा सके, परंतु प्रधानाध्यापक नवल

किशोर शर्मा एवं रामगोपाल योगी अध्यापक के अथक प्रयासों से भामाशाहों के सहयोग से अब तक करीब 16 लाख रुपए के विकास कार्य करवाए जा चुके हैं। आस्था ट्रस्ट की निदेशक रितिका जी, निधि जी अनीता जी एवं हेमंत जी द्वारा विद्यालय भवन की छत पर टाइल्स लगाने एवं फर्श पर टाइल्स लगाने का कार्य किया गया है। जिसकी अनुमानित लागत 3 लाख रुपए है। रितिका जी ने नवल किशोर शर्मा के आग्रह पर विद्यालय में यह कार्य करवाया है। इससे पूर्व में भी रितिका जी ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नारी का बास में पांच कक्षा का निर्माण करवाया है। शिक्षा के क्षेत्र में रितिका जी अभूतपूर्व कार्य कर रही है। रितिका जी ने विद्यालय के विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं मिठाई वितरित कर विद्यार्थियों को शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रितिका जी निधि जी अनीता जी हेमंत जी नवल किशोर शर्मा मोहनलाल सैनी भवानी सिंह शेखावत सीताराम सैनी महेश चंद सैनी वार्ड पंच हजारी लाल गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

लोर्डिया में डेंगू बुखार का कहर

■ संजीवनी टुडे

फलोदी। उपखण्ड लोर्डिया गांव में डेंगू बुखार की महामारी फैली हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि बुखार आने के बाद पूरा शरीर जकड़ जाता है। जो कई दिनों तक दर्द करता ही रहता है। गौरतलब है बरसात के बाद गांव में डेंगू बुखार ने महामारी का रूप ले चुकी है। ऐसे चिकित्सा विभाग लोर्डिया इसे वायलर बुखार बता कर अपना पल्ला झाड़ते नजर आ रहे है। जबकि निजी अस्पताल में जाने के बाद मालूम होता है। यह बुखार डेंगू है। राजकीय चिकित्सालय की सीबीसी मशीन भी कई महीनों से खराब पड़ी है।जो नी शुल्क होती है।ग्रामीणों ने बताया की सीबीसी जांच बाहर से करवाते तो दो सौ रुपये खर्च आता है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में जगह जगह पर बबूल की झाड़ियां उगी हुई है। जिसे मच्छर पैदा होते है। साथ ही उन्होंने बताया कि साई मन्दिर के पास हरनाई नाड़ी में पानी सड़ चुका है। उसमें सीवरेज का पानी मिक्स हो रहा है। जिसे मच्छर पनप रहे है। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर फलोदी को दो बार ज्ञापन देकर अवगत करवाया लेकिन कोई प्रकार की कार्यवाही नही हुई। ग्रामीणों की मांग है। हर गल्ली में टीड़ी पावडर से छड़काव करवा कर सफाई व्यवस्था संचारु रूप से हो।

एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में वांछित अभियुक्त पीर मोहम्मद गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

फलोदी पुलिस अधीक्षक फलोदी पूजा अवाना ने बताया कि थाना मतोड़ा टीम ने थाना लोहावट के एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में वांछित अभियुक्त पीर मोहम्मद को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी पीर मोहम्मद अवैध मादक पदार्थ 16 किलोग्राम डोडा पोस्त की सप्लाई में पिछले एक माह से फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक अवाना ने बताया कि रेंज स्तर पर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला फलोदी के समस्त थानाधिकारीगण को वांछित अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी व मादक पदार्थ धरपकड़ का अभियान चलाया जाकर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। अभियान के तहत श्री ब्रजराजसिंह चारण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फलोदी के सुपरविजन व श्री संग्रामसिंह भाटी वृताधिकारी लोहावट के निर्देशन मे अचलाराम उनिपु थानाधिकारी मतोडा के नेतृत्व मे टीम द्वारा दिनांक 04.11.2024 को थाना लोहावट में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण संख्या 271/2024 में वांछित अभियुक्त पीर मोहम्मद पुत्र जमालदीन जाति मुसलमान निवासी शैतानसिंहनगर थाना लोहावट को गिरफ्तार किया जाकर अनुसंधान जारी है। प्रकरण में थानाप्रभारी लोहावट द्वारा लोहावट के शैतानसिंह नगर में आरोपी पीर मोहम्मद द्वारा लाये गये कुल 16.305 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किये थे, आरोपी पीर मोहम्मद उस वक्त मौके से फरार हो गया था। जिसकी तलाश पिछले एक माह से कीजा रही थी। आरोपी पीर मोहम्मद से अनुसंधान अधिकारी अचलाराम उप निरीक्षक थानाधिकारी मतोड़ा द्वारा पूछताछ की जा रही है।

मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान

■ संजीवनी टुडे

जयपुर।मुख्यमंत्री के निर्देश पर राजस्थान में सरकार द्वारा चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार के तहत आज दिनांक 5. 11.2024 को आयुक्तालय में प्राप्त शिकायत के क्रम में आयुक्त खाद्य सुरक्षा इकबाल खान के निर्देशन और अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा के नेतृत्व में और संयुक्त आयुक्त डॉ एस एन धौलपुरिया के पफ्ध्द्दन्प्द्वपधद्ध में मेसर्स सिफा मावा पनीर भंडार के शिवाजी नगर स्थित गोदाम पर केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की गई। मोके से पनीर का एक नमूना द्धपपद्ब एक्ट के तहत लिया गया और खाद्य कारोबार कर्ता द्वारा मिलावटी पनीर होने की सहमति जाहिर करने पर, लगभग 350 द्मद्द मिलावटी पनीर मोके पर नष्ट कराया गया। यह पनीर बाजार में 190 प्रति किग्रा, बेचा जा रहा था, और छह मिलावटी पनीर जयपुर में ढाबो पर सप्लाई किया जाना बताया। लिए गए पनीर के नमूने की जाँच

रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

दूसरी कार्यवाही

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन और अति आयुक्त पंकज ओझा के नेतृत्व में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल जयपुर प्रथम द्वारा मुख्य चिकित्सा में स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विजय सिंह फौजदार के निर्देशन में पुलिस थाना मनोहरपुर के सहयोग से आसिफ खान पुत्र फुल खान निवासी सदर थाना अलवर जो की वाहन संख्या टख 02 क्ख 2990 मैं दो प्लास्टिक के बड़े ड्रमो में एवं पांच लोहे के डिब्बो में लगभग 750 किलोग्राम पनीर को चंदवास अलवर से ला कर जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों में विक्रय करने के उद्देश्य से आ रहा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य कारोबार कर्ता विक्रेता आसिफ खान से पूछताछ करने पर उसने यह पनीर 200 प्रति किलो की दर से विक्रय किया जाना

बताया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल द्वारा पनीर का निरीक्षण किया गया, प्रथम दृष्टा अमानक स्तर का होने का शक होने पर टीम द्वारा पनीर के नमूने लिए जाकर जांच हेतु प्रयोगशाला भिजवाए एवं शेष पनीर लगभग 750 किलो को खद्‌ढा खुदवा कर नष्ट करवाया जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

दीपावली स्वागत द्वार सजावट प्रतियोगिता 2024 का परिणाम घोषित

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। पंजाब के माननीय राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया एवं उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन की पहल एवं नगर निगम उदयपुर व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली महापर्व के अवसर पर स्वागत द्वार सजावट प्रतियोगिता 2024 का परिणाम मंगलवार को घोषित किया गया। जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल के निर्देशन में प्रतियोगिता के निर्णय हेतु गठित जिला स्तरीय कमेटी द्वारा मूल्यांकन कर परिणाम जारी किया गया। प्रतियोगिता में 2 श्रेणियों के तहत कुल 22 टेंट व्यवसायियों द्वारा भाग लिया गया एवं उत्कृष्ट सजावट की गयी। इस प्रक्रिया में प्रथम श्रेणी के तहत पुलिस कंट्रोल रुम देहली गेट पर सजे अप्सरा टेंट हाउस को 100 में से 91.5 अंक के साथ प्रथम, ज्योति स्टोर देहलीगेट गेट के पास राजकमल टेंट हाउस को 83.5 अंक के साथ द्वितीय डेकोर प्लानर द्वारा की गई सजावट को 72.75 अंक के साथ तृतीय स्थान प्रदान किया गया एवं आरके सर्कल पर श्रीनाथ टेंट एंड डेकोरेटर्स 70.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा। द्वितीय श्रेणी के तहत बलीचा में मोहित टेंट को 80 में से 47.25 अंक के साथ प्रथम स्थान, मेवाड़ सर्कल 100 फीट रोड पर नाकोडा टेंट एंड डेकोरेटर्स को 44.25 अंक के साथ द्वितीय स्थान, सेक्टर 5 सेटेलाईट पर संतोषी टेंट हाउस को 41.75 अंक के साथ तृतीय स्थान प्रदान किया गया। समस्त प्रतिभागियों को जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता हेतु नगर निगम के माध्यम से प्रथम श्रेणी में तीन पुरूस्कारों में प्रथम को 1 लाख, द्वितीय को 75 हजार तृतीय को 51 हजार तथा द्वितीय श्रेणी में तीन पुरूस्कारों में प्रथम को 31 हजार, द्वितीय को 21 हजार व तृतीय को 15 हजार एवं शेष समस्त प्रतिभागियों को 10 हजार का सांत्वना पुरूस्कार दिया जाएगा।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

योग परम ब्रह्म से एकाकार होने का विज्ञान

भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्ज़ा हासिल करने में सफल हो रहा है। इसीलिये समूची दुनिया के लिये अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वीकार्य हुआ है। आज जीवन का हर क्षेत्र समस्याओं से घिरा हुआ है। दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव महसूस किया जा रहा है। हर आदमी संदेह, अंतद्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है।

योग मनुष्य की चेतना शुद्ध एवं बुद्ध करने की प्रक्रिया है, यह मनुष्य को ऊपर उठाने का उपक्रम है, जीवन में संतुलन स्थापित करने का साधन है एवं परमात्मा एवं परम ब्रह्म से एकाकार होने का विज्ञान है। ब्रह्म का साक्षात्कार ही जीवन का काम्य है, लक्ष्य है। यह साक्षात्कार न तो प्रवचन से ही प्राप्त हो सकता है, न बुद्धि से ही प्राप्त हो सकता है और न बहुत सुनने से ही प्राप्त हो सकता है, उसके लिये जरूरी है स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार और यह साक्षात्कार उसी को होता है जिसका अंतःकरण निर्मल और पवित्र है। पवित्र अंतःकरण ही वह दर्पण है जिसमें आत्मा का दर्शन, प्रकृति का प्रदर्शन और ब्रह्म का संदर्शन होता है। शुद्ध अंतःकरण में बुद्धि आकाशवत निर्मल और स्वच्छ रहती है, मन गंगा जैसा पवित्र रहता है, चित्त ऐसा स्थिर रहता है जैसे बिना वायु के अविचल दीपक की ज्योति और सम्पूर्ण चेतना भगवान में मिलने के लिए ऐसी बहती है जैसे समुद्र में मिलने के लिए नदियां। जैसे शीशे में अपना चेहरा तभी दिखलायी पड़ता है जबकि शीशा साफ और स्थिर हो, इसी प्रकार शुद्ध अंतःकरण से ही परम ब्रह्म के दर्शन होते हैं। जिस योग का महत्व हमारे वेदों या उससे भी पहले के साहित्य में मिलता है आज वही योग दुनियाभर में अपनी प्रसिद्धि पा रहा है। इसके फायदों को देखते हुए हर कोई अपनी भागती हुई जिंदगी में इसे अपनाता हुआ दिख रहा है। धीरे-धीरे ही सही लेकिन लोगों को यह बात समझ में आ रही है कि योग करने से ना केवल बड़ी से बड़ी बीमारियों को दूर भगाया जा सकता है बल्कि अपने जीवन में खुशहाली भी लाई जा सकती है, जीवन को संतुलित किया जा सकता है, कार्य-क्षमताओं को बढ़ाया जा सकता है, शांति एवं अमन को स्थापित किया जा सकता है।

शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक शांति एवं स्वस्थ्यता के लिये योग की एकमात्र रास्ता है। लेकिन भोगवादी युग में योग का इतिहास समय की अनंत गहराइयों में छुप गया है। वैसे कुछ लोग यह भी मानते हैं कि योग विज्ञान वेदों से भी प्राचीन है। हड़प्पा और मोहन जोदड़ों के समय की पुरातत्व विभाग द्वारा की गई खुदाई में अनेक ऐसी मूर्तियां मिली हैं जिसमें शिव और पार्वती को विभिन्न योगासन करते हुए दिखाया गया है। दुनिया में भारतीय योग को परचम फहराने वाले स्वामी विवेकानंद कहते हैं-''निर्मल हृदय ही सत्य के प्रतिबिम्ब के लिए सर्वोत्तम दर्पण है। इसलिए सारी साधना हृदय को निर्मल करने के लिए ही है। जब वह निर्मल हो जाता है तो सारे सत्य उसी क्षण उसमें प्रतिबिम्बित हो जाते हैं।...पावित्र्य के बिना आध्यात्मिक शक्ति नहीं आ सकती। अपवित्र कल्पना उतनी ही बुरी है, जितना अपवित्र कार्य।'' आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्वेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी है, उसका कारण भी योग का अभाव ही है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी मनुष्य को अशांति, असंतुलन, तनाव, थकान तथा चिड़चिड़ाहट की ओर धकेल रही हैं, जिससे अस्त-व्यस्तता बढ़ रही है। ऐसी विषमता एवं विसंगतिपूर्ण जिंदगी को स्वस्थ तथा ऊर्जावान बनाये रखने के लिये योग एक ऐसी रामबाण दवा है जो माइंड को कूल तथा बॉडी को फिट रखता है। योग से जीवन की गति को एक संगीतमय रफ्तार दी जा सकती है। योग हमारी भारतीय संस्कृति की प्राचीनतम पहचान है। योग-चेतना के जागरण से भावशुद्धि होती है। इसकी प्रक्रिया है आत्मा के द्वारा आत्मा को देखना। राग-द्वेष मुक्त चेतना द्वारा स्वयं ही वृत्तियों, प्रवृत्तियों तथा चित्तदशाओं को देखना। सम्यक दर्शन ही 'स्व' को बदलने का सशक्त उपक्रम है। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार के प्रयोगों से ग्रंथि-तंत्र के स्राव संतुलित होते हैं।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

अमेरिका का डैमेज कंट्रोल का प्रयास

विचार बिन्दु

भारत ही एक ऐसा मजबूत राष्ट्र है जो चीन और पाकिस्तान को टक्कर देने की स्थिति में है। भारत की सामरिक शक्ति अब बहुत ज्यादा मजबूत तथा भरोसेमंद हो गई है। अमेरिका भी चीन से नहीं टकराना चाहता है इसीलिए अभी चीन के साथ आभासी तौर पर उसने शी जिनपिंग से लंबी वार्ता की है। और रिपब्लिक चाइना के शी जिनपिंग तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति बनने के बाद काफी आक्रामक तेवर अपनाए हुए हैं, ताइवान में कब्जा करने के मामले में चीन ने स्पष्ट रूप से अमेरिका को धमकी देते हुए कहा था कि यह हमारा अंदरूनी मामला है इसमें किसी भी विदेशी दखल को वह बर्दाश्त नहीं करेगा। ताइवान के मामले में अमेरिका काफी संवेदनशील है।

संजीव ठाकुर

अमेरिका कि तालिबान में आकस्मिक पराजय के बाद अमेरिका चीन, तालिबानी अफगानिस्तान और पाकिस्तान से बेहद सतर्क हो गया है। चीन और पाकिस्तान दोनों ने तालिबानी अफगानिस्तान को खुले रुप में मान्यता दे दी है। रूस ने भी अपरोक्ष रूप से अपने राजदूत और विदेश मंत्री को तालिबानी हुक्मरानों से बात करने के भेजा भी है, इस तरह वह भी तालिबान के पक्ष में खड़ा है। अमेरिका की इस बड़ी पराजय के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडन अब फूंक-फूंक कर कदम उठा रहे हैं। पाकिस्तान और तालिबानी अफगानिस्तान से धोखा खाने के बाद अमेरिका चीन के बढ़ते रुतबे से सतर्क हो गया है, चीन और रूस की अमेरिका के विरोध में बढ़ती नजदीकियां भी अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रशासन को परेशान किए हुए हैं। यह तो तय है की तुर्किस्तान, ईरान, इराक और अरब देश तालिबान को आज नहीं तो कल मान्यता प्रदान करेंगे ही, क्योंकि इजराइल फिलिस्तीनी युद्ध में अमेरिका ने इजराइल का खुलकर समर्थन किया था और उनके साथ यूरोपीय देश भी शामिल थे, ऐसे में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल, कनाडा ,न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया सब अमेरिका के साथ इसराइल का कंधा थपथपा रहे थे, दूसरी तरफ फिलिस्तीनी मोर्चे के साथ पाकिस्तान,तुर्किस्तान, ईरान और दूसरे मुस्लिम राष्ट्र एकजुट होने की तैयारी में आ गए थे। उसके तुरंत बाद ही अमेरिका को तालिबानी आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान में पाकिस्तान और चीन की मदद से खुली छूट दे दी गई और अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को बेआबरू होकर तालिबान से हटना पड़ा। भारत की स्थिति भी तालिबानी अफगानिस्तान में बहुत अच्छी नहीं मानी जा सकती है, भारत ने भी अमेरिका की तरह अरबों रुपए की परियोजनाएं अफगानिस्तान में संचालित की थी, किंतु अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों का कब्जा हो जाने के बाद सारे के सारे प्रोजेक्ट रोकने पड़े थे। पाकिस्तानी समर्थित तालिबानी आतंकवादी भारत के समर्थन में तो किन्ही स्थितियों में नहीं आ सकते क्योंकि पाकिस्तान ने तालिबानियों का आर्थिक तथा सामरिक सहयोग कर उन्हें पाकिस्तान की तरफ रुख करने के लिए मजबूर कर दिया था। अब भारत के परंपरागत दुश्मनों चीन और पाकिस्तान के साथ तालिबानी अफगानिस्तान की युति भी जुड़ गई है। अमेरिका तथा भारत की स्थिति बहुत ज्यादा भिन्न नहीं है, यही कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का झुकाव भारत के प्रति विगत दिनों ज्यादा हुआ था। अमेरिका एशिया में अपना एक स्थाई मित्र चाहता है, हालांकि भारत का झुकाव पूर्व से ही रूस की तरफ ज्यादा रहा है पर भारत की विदेश नीति हमेशा संतुलन की रही है,इसके चलते भारत रूस को भी किसी भी स्थिति में नाराज नहीं करना चाहता और अमेरिका से भी अपने संबंध इन परिस्थितियों में मजबूत करना चाहेगा। क्वाड सम्मेलन के जरिए अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत हिंद महासागर, प्रशांत सागर और चीन सागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करना चाहते हैं। ड्रैगन की विस्तारवादी नीतियों पर अंकुश लगाना चाह रहे हैं। इसी तरह आसियान देशों की भी यही स्थिति है। ग्लासको जलवायु सम्मेलन में पूरा विश्व एकजुट दिखाई दिया पर चीन का रुख सर्वाधिक नकारात्मक रहा और चीन के साथ पाकिस्तान के बाद तालिबान भी अपने आका के साथ हां में हां मिलाने में लगे हुए थे। वर्तमान में अमेरिका ने 77 देशों को वार्ता करने के लिए आमंत्रित किया है। अमेरिका वर्तमान में किसी भी परिस्थिति में चीन, पाकिस्तान, रूस और अरब देशों से युद्ध करने अथवा पंगा लेने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि तालिबान अफगानिस्तान से बैरंग लौटने के बाद अमेरिका की बादशाहत में बहुत कमी आई है, जिसका असर पूरे विश्व की राजनीति पर पड़ा है। अमेरिका की एशिया की नीति पर वह भारत पर बहुत ज्यादा निर्भर हो चुका है

भारत ही एक ऐसा मजबूत राष्ट्र है जो चीन और पाकिस्तान को टक्कर देने की स्थिति में है। भारत की सामरिक शक्ति अब बहुत ज्यादा मजबूत तथा भरोसेमंद हो गई है। अमेरिका भी चीन से नहीं टकराना चाहता है इसीलिए अभी चीन के साथ आभासी तौर पर उसने शी जिनपिंग से लंबी वार्ता की है। और रिपब्लिक चाइना के शी जिनपिंग तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति बनने के बाद काफी आक्रामक तेवर अपनाए हुए हैं, ताइवान में कब्जा करने के मामले में चीन ने स्पष्ट रूप से अमेरिका को धमकी देते हुए कहा था कि यह हमारा अंदरूनी मामला है इसमें किसी भी विदेशी दखल को वह बर्दाश्त नहीं करेगा। ताइवान के मामले में अमेरिका काफी संवेदनशील है, और हुए समझौते के तहत ताइवान की मदद करना उसका फर्ज बनता है ऐसे में अमेरिका तथा चीन की टकराहट संभावनाएं बढ़ गई थी, लेकिन वार्ता के बाद दोनों देश के संबंध थोड़े से संभले हुए हैं।अमेरिका अब सभी महत्वपूर्ण देशों को मनाने में तथा तालिबान में हुए नुकसान की भरपाई करने में लगा हुआ है। अमेरिका के इस वैश्विक डैमेज कंट्रोल में एशिया के संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, भारत को भी एक विश्वसनीय मित्र की तलाश है जो चीन और पाकिस्तान को किसी भी स्थिति में भारत के विरुद्ध बड़ा कदम उठाने से रोकने के लिए मदद कर सके। ऐसे में अमेरिका तथा रूस तथा फ्रांस के अलावा इसराइल भी भारत का साथ दे सकता है।जिससे भारत के परंपरागत दुश्मन चीन तथा पाकिस्तान से हम भविष्य में सुरक्षित रह सकें। यह तो तय है कि भारत अपनी तरफ से चीन तथा पाकिस्तान पर वार नहीं करेगा परंतु पाकिस्तान तथा चीन की उकसाने वाली गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना भी भारत के लिए जरूरी है। इन परिस्थितियों में भारत के साथ रूस,फ्रांस तथा इजराइल के पूरी तरह साथ खड़े होने की संभावना बनती है। वर्तमान परिस्थितियों में अमेरिका भी भारत का साथ दे सकता है, उसका इतिहास भारत के लिए कभी भी सहयोगात्मक नहीं रहा है, अतः अमेरिका पर बहुत ज्यादा भरोसा नहीं किया जा सकता है।

बुरे दिनों से बचने के लिए अजमाएं इन लाभकारी उपायों को

गाय, कुत्ते, चींटी और पक्षियों को भोजन खिलाएं। वृक्ष, पक्षी, गाय, कुत्ता, कौवा, चींटी आदि प्राणियों के अन्न जल की व्यवस्था करने से इनकी हर तरह से दुआ मिलती है। इनको खिलाने से बहुत बड़ा पुण्य प्राप्त होता है। यदि आप पर ग्रह नक्षत्रों की बुरी दशा चल रही है या आप कई महीनों से आप समस्याओं से घिरे हुए हैं, एक के बाद एक संकट आते रहते हैं तो यहां बताएं गए उपाय को अजमाएं।

ये उपाय करने में किसी भी प्रकार की कोई बुराई नहीं है। सबसे पहले हनुमान चालीसा नियम से पढ़ना शुरू कर दें। पवित्र भावना और शांतिपूर्वक हनुमान चालीसा पढ़ने से हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है जो हमें हर तरह की जानी अनजानी अनहोनी से बचाती है। 5 बार हनुमान जी को चोला चढाए तो तुरंत ही संकटों से मुक्ति मिल जाती है। प्रति मंगलवार या शनिवार को बड़ के पत्ते पर आटे का दिया जलाकर उसे हनुमान जी के मंदिर पर रख आए। ऐसा कम से कम 11 मंगलवार या शनिवार को करें।गाय, कुत्ते, चींटी और पक्षियों को भोजन खिलाएं। वृक्ष, पक्षी, गाय, कुत्ता, कौवा, चींटी आदि प्राणियों के अन्न जल की व्यवस्था करने से इनकी हर तरह से दुआ मिलती है। इनको खिलाने से

बहुत बड़ा पुण्य प्राप्त होता है। पानीदार एक नारियल लें और उसे अपने ऊपर से 21 बार वारे। वारने के बाद उसे बहते हुए पानी में बहा दें या देवस्थान पर जाकर अग्नि में जला दें। ये उपाय मंगलवार या शनिवार को करना है। परिवार के जिस सदस्य पर संकट हो उसके ऊपर से वारे। यदि किसी की अर्थी में जाना हो तो लौटते वक्त शमशान में कुछ सिक्के फेंकते हुए आ जाएं। पीछे पलटकर न देखें। इस उपाय से अचानक आई बाधा तुरंत ही समाप्त हो जाएगी और देवीय सहयोग मिलने लगेगा। कागजों पर छोटे अक्षर से राम-राम लिखें। अधिक से अधिक संख्या में ये राम नाम लिखे फिर नाम को अलग-अलग काट लें। अब आटे की छोटी-छोटी गोलियां बनाकर एक-एक कागज पर लिखे राम पर लपेट लें और नदी या तालाब पर जाकर मछलियों और कछुओं को ये गोली खिलाएं। प्रतिदिन खिलाएं और चींटियों को भुने हुए आटे में बूरा मिलाकर बनाई पंजीरी खिलाएं। शनिवार को एक कांसे की कटोरी में सरसों का तेल और सिक्का डालकर उसमें अपनी परछाई देखें और तेल मांगने वाले को दे दें या किसी शनि मंदिर में शनिवार के दिन कटोरी सहित तेल रखकर आ जाएं। कम से कम ये उपाय 5 शनिवार तक करें।

27 नवम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1001	हिंदू शासक जयपाल को आक्रमणकारी महमूद गजनी ने हराया।
1095	पोप अर्बन द्वितीय ने पहले क्रूसेड (धर्मयुद्ध) का उपदेश दिया।
1795	पहले बांग्ला नाटक का मंचन हुआ।
1807	पुर्तग़ाल के शाही परिवार ने नेपोलियन की सेना के भय से लिस्बन छोड़ा।
1815	पोलैंड साम्राज्य ने संविधान अपनाया।
1912	अल्बानिया ने राष्ट्रीय ध्वज अपनाया।
1932	पोलैंड और तत्कालीन सोवियत संघ ने अनाक्रमण समझौते पर हस्ताक्षर किया।
1949	जबलपुर के निवासियों ने चंदा इकट्ठा करके नगरपालिका प्रांगण में सुभद्रा कुमारी चौहान जी की आदमकद प्रतिमा लगवाई जिसका अनावरण कवयित्री और उनकी बचपन की सहेली महादेवी वर्मा ने किया।
1966	उरुग्वे ने संविधान अपनाया।
1995	मिर वेनेजुएला जौकेलीन एग्वीलेरा मार्कानो 'मिस वर्ल्ड' 1995 चुनी गईं।
2000	फ्लोरिडा में डाले गये मतों की गिनती में जार्ज बुश 537 मतों से जीते, फ्लोरिडा में जीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर जार्ज बुश जूनियर का दावा।
2002	बेलारूस के प्रधानमंत्री जेनेदी वी नोवित्सकी भारत यात्रा पर नयी दिल्ली आये।

मोदी के कथित सुशासन में ? रेलवे की भयंकर लूट !

आपने रेलवे द्वारा सीनियर सिटीजन, विकलांग आदि लोगों को दी जाने वाली तमाम सुविधाओं को समाप्त किए जाने तथा प्लेटफॉर्म टिकट की बेतहाशा बढ़ी हुई कीमत के बारे में अच्छे दिन आने के जुमलेबाजी के ठीक विपरीत कथित सुखद समाचार तो सुन ही चुके होंगे ! अब मोदी ऐंड कंपनी के एक और आमजनविरोधी दुर्नीतियों से संभवतया आपको एक और जोरदार झटका लगे। अब तक आपको अपनी रेलयात्रा के दौरान ट्रेनों के विलंब होने या किसी अन्य कारणवश रेलवे द्वारा प्रतीक्षालय की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती रही है,परन्तु अब आपको जानकर बेहद हैरानी होगी कि इस सुविधा से भी अब आपको वंचित किया जा चुका है। उदाहरणार्थ मान लीजिए आप 5 सदस्यों वाले परिवार के साथ कोलकाता गये हैं। वहाँ से लौटते समय मान लीजिए आप हावड़ा रेलवेस्टेशन पर अपनी ट्रेन के खुलने से 2 घंटे पहले पहुँच गए,उस स्थिति में जाहिर है आपको रेलवे प्रतीक्षालय में कुछ समय गुजार लेने की इच्छा होगी,लेकिन अब उसी प्रतीक्षालय में जहाँ आप अब तक निःशुल्क अपना कुछ समय हावड़ा स्टेशन की भयंकर भीड़-भाड़ और शोर-गुल रहित सुखद वातावरण में कुछ समय शांति और सुकून से बीता लेते थे,अब आपको उस प्रतीक्षालय के गेट पर बैठा व्यक्ति आपको रोककर आपसे 100 रूपये भुगतान करने के बाद ही प्रतीक्षालय में अंदर जाने का आदेश सुना देगा,क्योंकि अब उच्च श्रेणी का प्रतीक्षालय अब अपने ही यात्रियों से प्रति यात्री प्रति घंटे 10 रूपये वसूली करने लगा है मतलब 5 व्यक्तिै 10 रूपयै 2 घंटे = 100 रूपये ! यक्ष प्रश्न है केंद्र में बैठी मोदी सरकार के मुख्य खेवनहार श्रीमान् श्रीयुत नरेन्द्र भाई दामोदर भाई मोदी इस देश के केन्द्र में सत्तारूढ़ होने से ठीक पहले इस देश की समस्त जनता के अच्छे दिन लाने व खुशहाल जीवन लाने के वादे के प्रलोभन देकर आए,लेकिन पिछले साढ़े सात साल के मोदी ऐंड कंपनी के इतिहास का एक-एक दिन इस बात का जीता-जागता गवाह है कि इस नरेन्द्र भाई दामोदर भाई मोदी नामक अहसान फरामोश व्यक्ति ने इस देश की जनता के सुख-चैन-सुकून को नित-प्रतिदिन निर्दयतापूर्वक छीनने का कुकर्म किया है, चाहे वह इस देश की आम जनता हो,विद्यार्थी हों,मजदूर हों,किसान हों,छोटे व्यापारी हों,राज्यों के कर्मचारी हों,केन्द्र के कर्मचारी हों ! इस व्यक्ति और इसके मंत्रीमंडल के अन्य सारे सांसद,मंत्री व बीजेपी शासित राज्यों के विधायक, मुख्यमंत्री आदि सभी सिर्फ एक काम बड़ी मेहनत और दिलोदिमाग से दिन-रात परिश्रम करके जरूर किए हैं वह यह कि वे इस देश की जनता को जाति,धर्म के नाम पर आपस में घृणा का बिषबीज बोने में अपनी समस्त ऊर्ज़ा,अकूत धन और समय जरूर लगा दिया है,जिससे दंगे-फसाद हों,हिन्दू-मुस्लिमों के बीच वैमनस्यता और आपसी दुश्मनी का भाव तीव्रतम रूप में पैदा हो ! दिल्ली दंगे इसके प्रत्यक्ष प्रमाण है ! मूल समस्याओं जो काँग्रेसियों के भ्रष्ट शासन के समय से ही इस देश में सर्वव्याप्त हैं जैसे गरीबी, मंहगाई, बेरोजगारी, भूखमरी, भ्रष्टाचार, किसानों की दुर्दशा आदि समस्याओं को दूर करने के वादे के साथ इस देश की सत्ता का सिंहासन हथियाने वाले इस क्रूर और असहिष्णु व्यक्ति ने पिछले 7 सालों से केवल अपने धर्मभीरु और धर्मांध बहुसंख्यक हिन्दुओं के वोट की फसल काटने के लिए अपने सारे काम यथा कुँभ मेले का बेहतरीन आयोजन,चारधाम सड़क चौड़ीकरण योजना,धारा 370 हटाना, तीन तलाक कानून हटाना,नागरिकता संशोधन कानून लागू करने की असफल कोशिश करना, हिन्दू-मुस्लिम दंगे करवाना, पाकिस्तान पर फर्जी सर्जीकल स्ट्राइक करवाना,पुलवामा में 44 अर्धसैनिकों को विस्फोट करवाकर मौत के घाट उतार देना,इस देश में 10 लाख मंदिरों के रहते अयोध्या में एक और भव्य मंदिर का निर्माण करना आदि-आदि बहुत से उदाहरण दिए जा सकते हैं ! सबसे बड़ी विडंबना यह भी है कि इस देश की आम जनता को भयंकरतम् गरीबी, बेरोजगारी और भूखमरी के नरक में धकेलकर यह जनविरोधी व्यक्ति एकदम निर्लज्जता से खुद खूब विलासितापूर्ण और ऐश्वर्यशाली जीवन जीने की अपनी मनोकामना पूर्ण करना मसलन खुद के लिए इस दुनिया के सर्वाधिक धनी राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति के तर्ज पर 8 अरब 50 करोड़ मूल्य की हवाई जहाज को खरीदना,दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वास्तुकला से सुसज्जित संसद के रहते हुए 2 खरब रूपयों की फिजूलखर्ची करते हुए कई ऐतिहासिक व अतिमहत्वपूर्ण भवनों को ध्वस्त करके एक नये संसद भवन को बनवाना,गुजरात के हजारों किसानों को भूखमरी के दलदल में धकेलते हुए 30 अरब रूपये की लागत से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सालों तक प्रतिबंधित करनेवाले सरदार वल्लभ भाई पटेल के गगनचुंबी लौह मूर्ति खड़ी करने जैसे बहुत से उदाहरण गिनाए जा सकते हैं ! भारतीय राष्ट्रराज्य के विगत 74 सालों के इतिहास में मोदी जैसा क्रूर,विलासी,असहिष्णु ,बर्बर,अमानवीय, मानवेत्तर विचारों वाला व्यक्ति भारत के प्रधानमंत्री के पद पर नहीं बैठा है,जो अपने अडाणी व अंबानी जैसे पूँजीपतियारों के स्वार्थहित की प्राथमिकता के लिए इस देश के अरबों आमजन,मजदूरों, किसानों, विद्यार्थियों, बेरोजगारों, गरीबों के जीवन को नरक बना कर रख दिया है ! इस असहिष्णु,अमानवीय,मानवेत्तर मोदीसरकार की जितनी जल्दी पतन हो उतना ही इस राष्ट्र राज्य व यहाँ के समाज के हित में है,क्योंकि पानी अब सिर के ऊपर से गुजर रहा है !

निर्मल कुमार शर्मा,गाजियाबाद,उप्र,

चमत्कारी है 'सहजन'

सहजन (ड्रमस्टिक्स) या मुनगा जड़ से लेकर फूल और पत्तियों तक सेहत का खजाना है। सहजन के ताजे फूल हर्बल टॉनिक है। इसका वनस्पति नाम मोरिंगा ओलिफेरा है। इसकी पत्ती में कई ऐसे पोषक तत्व पाए गए हैं, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभदायक हैं। फिलीपीन्स, मैक्सिको, श्रीलंका, मलेशिया आदि देशों में भी सहजन का उपयोग बहुत अधिक किया जाता है। दक्षिण भारत में व्यंजनों में इसका उपयोग खूब किया जाता है। सहजन के बीज से तेल निकाला जाता है और छाल पत्ती, गोंद, जड़ आदि से आयुर्वेदिक दवाएं तैयार की जाती हैं। आयुर्वेद में 300 रोगों का सहजन से उपचार बताया गया है। इसीलिए आज हम आपको परिचित करवाने जा रहे हैं। सहजन की कुछ खास उपयोगिताओं व इसके गुणों से .....

सहजन में छिपा है त्वचा की खूबसूरती का राज

सुरजना या सहजन

सहजन या सुरजने का समूचा पेड़ ही चिकित्सा के काम आता है। इसे जादू का पेड़ भी कहा जाता है। त्वचा रोग के इलाज में इसका विशेष स्थान है। सहजन के बीज धूप से होने वाले दुष्प्रभावों से रक्षा करते हैं। अक्सर इन्हें पीसकर डे केअर क्रीम में इस्तेमाल किया जाता है। बीजों का दरदरा पेस्ट चेहरे की मृत त्वचा को हटाने के लिए स्क्रब के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। फेस मास्क बनाने के लिए सहजन के बीजों के अलावा कुछ और मसाले भी मिलाना पड़ते हैं।

सहजन के बीज है फायदेमंद

सहजन के बीजों का तेल सूखी त्वचा के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह एक ताकतवर मॉश्चराइजर है। इसके पेस्ट से खुरदुरी और एलर्जिक त्वचा का बेहतर इलाज किया जा सकता है। सहजन के पेड़ की छाल गोखरू, कील और बिवाइयों के इलाज की अक्सीर दवा मानी जाती है। इसके बीजों का तेल शिशुओं की मालिश के लिए प्रयोग किया जाता है। त्वचा साफ करने के लिए सहजन के बीजों का सत्व कॉस्मेटिक उद्योगों में बेहद लोकप्रिय है। सत्व के जरिए त्वचा की गहराई में छिपे विषैले तत्व बाहर निकाले जा सकते हैं। मृत त्वचा के पुनर्जीवन के लिए इससे बेहतर कोई रसायन नहीं है। धूम्रपान के धुएँ और भारी धातुओं के विषैले प्रभावों को दूर करने में सहजन के बीजों के सत्व का प्रयोग सफल साबित हुआ है। सहजन के बीजों का पेस्ट त्वचा के रंग और टोन को साफ रखने में मदद करता है।

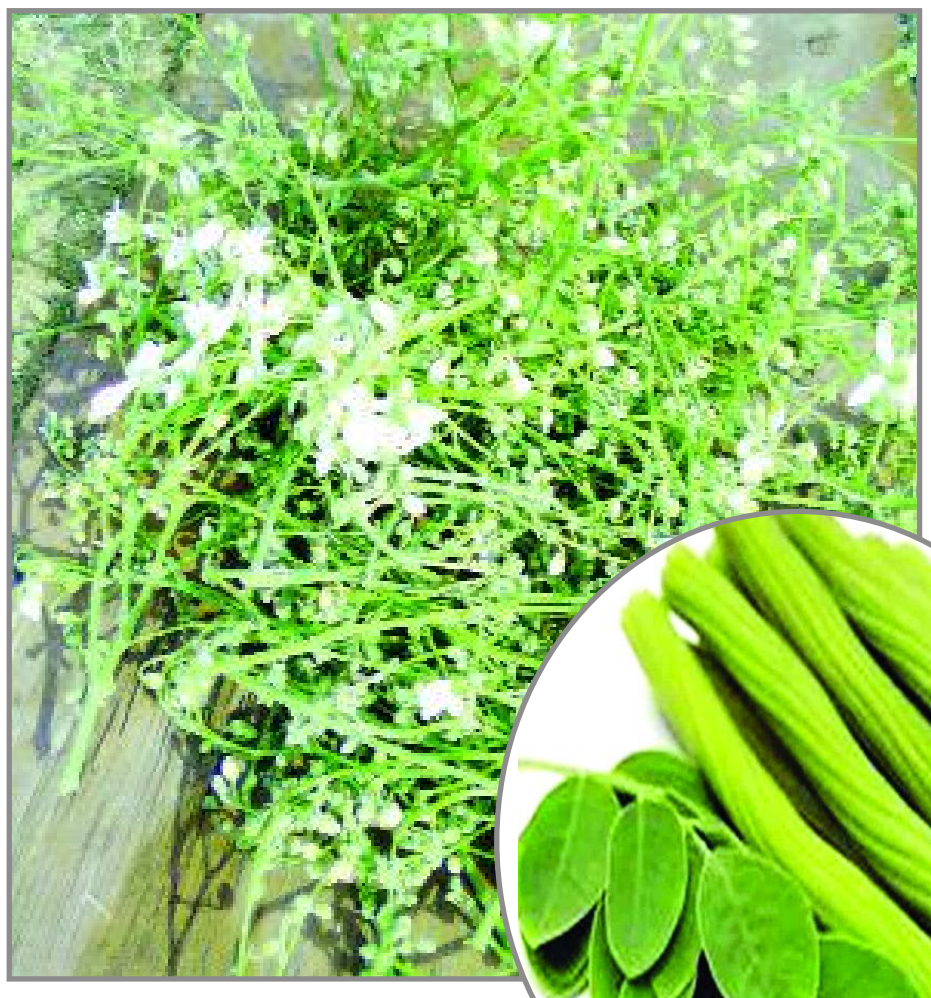

औषधीय गुण

तमाम शोध सर्वेक्षणों से इस बात की पुष्टि हुई है कि सहजन में औषधीय गुण पाये जाते हैं। विशेषकर पुरुषों के लिये यह काफी लाभपद है। औषधीय तत्वों के कारण ये कई रोगों में भी उपयोगी साबित हुआ है। इसकी तासीर गर्म होने के कारण इसमें उत्तम वीर्यवर्द्धक गुण पाए जाते है। यही नहीं इसमें लौह तत्व भी मौजूद है जो कि रक्त सम्बंधी समस्याओं के लिये लाभकारी साबित हुए हैं। चूंकि यह गर्म है इसलिये इसका सवेन सर्दियों में ज्यादा किया सकता है। जहिर है जब औषधीय गुणों से लैस घर में सहज हमेशा उपलब्ध हो बीमारी आसपास भी नहीं मंडराती है। खानपान विशेषज्ञ भी इसे अपने खानपान में शामिल करने की खास हिदायत देते हैं।

जीवन की ज्योति है आंख

हैल्थ संवाददाता

यह तो हम सब जानते हैं कि आंखें प्रकृति की अनुपम देन हैं पर इस अनुपम देन की देखभाल करना भी मनुष्य के लिए बहुत जरूरी है। अगर इनकी उचित देखभाल न की जाये तो इस अमूल्य देन से हम वंचित हो सकते हैं।

आहार का रखें ध्यान

आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है आपके शरीर का स्वास्थ्य, इसलिए स्वस्थ पौष्टिक आहार का सेवन करें। अगर आपको धुंधला दिखायी दे रहा है तो भी आंखों के डाक्टर से पूरी तरह चेकअप करवायें। यह नहीं कि सीधे आप्टीशियन के पास चले जाएं। जब आप आंखों के डाक्टर से निरीक्षण कराएं तो रेटिना के साथ-साथ आंखों में दबाव की भी जांच करवाएं।

आई ड्रॉप्स का उपयोग सावधानी से

बिना डाक्टर की राय लिये आंखों में कोई भी आई-कड्राप्स मत डालें। आंखों में कोई परेशानी होने पर अधिकतर व्यक्ति बिना डाक्टर की राय लिए कोई भी आई ड्राप्स डाल लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि स्टीरायड दवाइयां सफेद या काले मोतियाबिंद का कारण बन सकती हैं अगर अधिक प्रयोग में लायी जायें। आई ड्राप्स प्रयोग करते समय एक्सपायरी तिथि अवश्य जांच लें।

30-60 सेकेण्ड वाले व्यायाम भी है आंखो के लिए फायदेमंद

सुबह -सुबह घास पर नंगे पैर चलने से आंखों की रोशन तेज होती है

जब आंखों में थकान या तनाव का अनुभव हो तो 'पामिंग' करें।

40 की उम्र के बाद आंखों का चेकअप वर्ष में दो बार अवश्य करवायें

चेकअप है जरूरी

40 वर्ष की उम्र के बाद आंखों का चेकअप वर्ष में दो बार अवश्य करवाएं, खासकर आंखों में दबाव की जांच अवश्य करवाएं।

सब्जियों और फलों का सेवन जरूरी

फलों व सब्जियों का सेवन भी आंखों को सुरक्षा होता है। हरी सब्जियों व फलों में पाया जाने वाला तत्व बैटा केरोटीन से सुरक्षा देता है, इसलिए अपने भोजन में गाजर, पपीते आदि बेटा केरोटीन के उत्तम स्रोतों का सेवन करें।

एरोबिक्स है जरूरी

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि एरोबिक्स व्यायाम आंखों के लिए बेहद आवश्यक हैं, क्योंकि यह आंखों को पहुंचने वाले आक्सीजन भरे रक्त की आपूर्ति अधिक करता है। बच्चों को कांटेक्ट लेंस की बजाय चश्मे का प्रयोग करवाएं, क्योंकि ये पहनने में आसान तो होते ही हैं,

आवश्यक सलाह

आँखों की पलकों को झपकाने से से आँखें थकती नहीं। नजदीक के काम (जैसे कम्प्यूटर के मानीटर को देखना) को बीच-बीच में रोक दिया करें और दूर की वस्तु को देखें। इससे भी आँखों को आराम मिलता है। जब भी आँखों को थकान या तनाव का अनुभव हो तो 'पामिंग' कर लिया करें। इससे लाभ मिलता है। व्यायाम को नियमित करने से ही लाभ मिलता है, बहुत दिनों पर या कभी-कभार करने से उतना लाभ नहीं होगा। हर घण्टे बाद 30-60 सेकेण्ड का आँखों को गति देने वाला व्यायाम भी बहुत कारगर है।

व्यायाम जो आपके आंखों को रखे तंदुरूस्त

पुतलियों की मालिश

अपनी आँखों को बन्द कर लें तथा उन्हें अपने अंगुलियों के वृत्तीय गति से एक-दो मिनट तक मालिश करें। ध्यान रहे कि आप आँखों को बहुत हल्के से ही दबाएँ और इसके पहले आपने अपने हाथों को साफ कर लिया हो ताकि आँखों को कोई नुकसान न हो। अपने दोनो हाथों की तीन अंगुलियों से आँखों की ऊपरी पुतलियों को दबाएँ। यह दबाव एक-दो सेकेण्ड तक बनाए रखें। यह क्रिया 5 बार करें। बैठ जाँय और आराम करें। अपनी आंखों को दक्षिणावर्त घुमाएँ, फिर वामावर्त घुमाएँ। यह क्रिया 5 बार करें। बीच-बीच में पलकों को झपका लें। दूर के किसी वस्तु पर नजर टिकाएँ। उसके बाद अपने सिर को बिना चलाए धीरे-धीरे करके पास की किसी बस्तु पर आँख को फोकस करें। फिर दूर की वस्तु पर आँखों को फोकस करें। 5 बार करें। किसी खिड़की से आधा फुट की दूरी पर बैठें। काँच पर, आँखों के ही स्तर पर एक निशान बना लें इस निशान से होकर देखें और दूर की किसी वस्तु को देखने की कोशिश करें। उसके बाद अपनी दृष्टि को इस निशान पर केन्द्रित करें। 6. अपने सामने एक हाथ की दूरी पर एक पेंसिल पकड़ें। धीरे-धीरे अपने हाथ को नाक की तरफ लाएँ और अपनी आंखों से पेंसिल को लगातार देखने की कोशिश करें।

आंखों का करें मसाज

दो तौलिए लीजिए, पहले तौलिए को गरम पानी में भिगो लीजिए, दूसरे को ठण्डे जल में भिगो लें।

एक तौलिए को लेकर उसे अपने चेहरे पर आँख की भौंहों, बन्द आँख की पुलतियों और गालों पर हल्के से दबाइए। एक बार गरम तौलिए से और फिर ठण्डे तौलिए से, फिर गरम से-यह क्रिया करें। अन्त में ठण्डे तौलिए से करने के बाद इसे समाप्त करें।

पूरे चेहरे की मालिश

किसी तौलिए को गरम जल में भिगो दें। आँखों को बचाते हुए अपने गर्दन, ललाट तथा गालों को इस तौलिए से रगड़ें। इसके बाद अपनी अंगुलियों के अग्रभागों से अपने ललाट तथा अपनी बन्द आँखों को हल्के से मालिश करें।

सहजन की छाल का पावडर

सहजन की छाल का पावडर रोज लेने से वीर्य की गुणवत्ता में सुधार होता है....! सहजन (ड्रमस्टिक्स) या मुनगा जड़ से लेकर फूल और पत्तियों तक सेहत का खजाना है। सहजन के ताजे फूल और गाय का दूध ऐसा हर्बल टॉनिक है जिससे पुरुषों की मर्दाना कमजोरी और महिलाओं में सेक्स की कमजोरी दूर होती है। सहजन की छाल का पावडर रोज लेने से वीर्य की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा पुरुषों में शीघ्रपतन की समस्या भी दूर होती है। छाल का पावडर, शहद और पानी से ऐसा मिश्रण तैयार होता है जो शीघ्रपतन की समस्या का अचूक इलाज है। मुनगा या सहजन या ड्रम स्टिक्स की करीब 50 ग्राम पत्तियों को लेकर चटनी बनाए जाए तो यह पेट के कृमियों को बाहर निकाल फेंकने में काफी कारगर होती है। चटनी बनाने के लिए पत्तियों को बारीक कुचल लिया जाए, इसमें स्वादानुसार नमक और मिर्च पाउडर भी मिला लिया जाए और इस पूरे मिश्रण को तवे या कढाही पर आधा चम्मच तेल डालकर कुछ देर भून लिया जाए। सप्ताह में एक या दो बार इस चटनी का सेवन बेहद गुणकारी होता है। सहजन की पत्तियों का सूप टीबी, ब्रोंकाइटिस तथा अस्थमा पर नियंत्रण के लिए कारगर समझा जाता है। इसका स्वाद बढ़ाने के लिए नींबू का रस, कालीमिर्च और सेंधा नमक मिलाया जा सकता है। यह हाजमें के लिए सबसे मुफीद सब्जी मानी जाती है। ताजी पत्तियों को निचोड़कर निकाले गए रस को एक चम्मच शहद तथा एक गिलास नारियल के पानी के साथ लेना चाहिए। इससे कॉलरा, डायरिया, डीसेंट्री, पीलिया तथा कोलाइटिस की समस्या में आराम मिलता है। अगर पेशाब में अधिक मात्रा में यूरिया जा रहा हो तो मरीज को सहजन की ताजी पत्तियों के निचोड़े हुए रस के साथ खीरा या गाजर के रस के मिलाकर पिला दें। इससे तत्काल आराम मिलता है।सहजन की ताजा पत्तियों के निचोड़े हुए रस के साथ नींबू के रस से मुंहासों का कारगर इलाज किया जाता है। इससे ब्लेक स्पॉट्स हटते हैं साथ ही उम्र के कारण थकी और कांतिहीन त्वचा में नई जान फूंकी जा सकती है। इसी के साथ ही सहजन के फूलों के साथ पत्तियां, सहजन के बीज और जड़ से शरीर में हुई गठानों का इलाज किया जा सकता है। जड़ रूखी और स्वाद में कड़वी होती है लेकिन फेफड़ों के लिए बढ़िया टॉनिक के रूप में काम करती है। यह कफ को बाहर निकालती है। मूत्रवर्धक होने से मूत्र संबंधी विकारों का निवारण भी करती है। जड़ों से तैयार किए गए रस से त्वचा के कई रोगों में राहत मिलती है।

सहजन के बड़े-बड़े गुण

सहजन के पत्तों का रस बच्चों के पेट के कीड़े निकालता है और उलटी दस्त भी रोकता है। सहजन फली का रस सुबह शाम पीने से उच्च रक्तचाप में लाभ होता है। सहजन की पत्तियों के रस के सेवन से मोटापा धीरे धीरे कम होने लगता है। सहजन. की छाल के काढ़े से कुल्ला करने पर दांतों के कीड़ें नष्ट होते है और दर्द में आराम मिलता है। सहजन के कोमल पत्तों का साग खाने से कब्ज दूर होती है। सहजन की जड़ का काढे को सेंधा नमक और हिंग के साथ पिने से मिर्गी के दौरों में लाभ होता है। सहजन की पत्तियों को पीसकर लगाने से घाव और सुजन ठीक होते है। सहजन के पत्तों को पीसकर गर्म कर सिर में लेप लगाए या इसके बीज घीसकर सूंघे तो सर दर्द दूर हो जाता है

वात रोग में रामबाण

कमर दर्द, घुटने का दर्द, जोड़ों में दर्द से हमेशा ग्रस्त रहते हैं तो सहजन अवश्य खाएं। ऐसा हमारा नहीं बल्कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है। नियमित दवाओं का सेवन करने से न सिर्प स्वास्थ्य पर बुरा पभाव पड़ता है बल्कि दीर्घकालिक समस्याएं भी हो सकती है। अत: ऐसे में अगर सहजन का नियमित खाया जाए तो इन दर्दों को धीरे धीरे कर स्थायी रूप से निजात मिल सकता है। आयुर्वेद में सहजन को वातनाशक के रूप में भी दर्शाया गया है। वायु विकार में भी इसका उपयोग रहता है। जोड़ों के दर्द की स्थिति में सहजन के फूल, पत्ती, फल और छाल सभी खाया जा सकता है। सहजन का काढ़ा भी स्वास्थ्य के लिये काफी उपयोगी है। पेट में गैस बनने की शिकायत नहीं रहती। इस सम्बंध में सहजन की पत्तियों से निकाला गया रस भी फायदेमंद है।

200 करोड़ के करीब पहुंची 'भूल भुलैया 3'

मुंबई। भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म 'भूल भुलैया 3' इन दिनों सिनेमाघरों में लगी है। यह फिल्म दिवाली के अवसर पर 1 नवंबर को रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर इसकी ताबड़तोड़ कमाई जारी है। देश के साथ-साथ यह फिल्म विदेशों में भी अच्छे नोट छाप रही है। वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें तो यह 200 करोड़ क्लब के करीब पहुंच चुकी है। भूल भुलैया ने पहले दिन शुक्रवार को 35.5 करोड़ रुपए की ओपनिंग ली। दूसरे दिन शनिवार को 37 करोड़ और तीसरे दिन रविवार को 33.5 करोड़ रुपए का कारोबार किया। करीब 150 करोड़ रुपए के बजट में बनी भूल भुलैया 3 ने कल मंडे टेस्ट भी अच्छे नंबरों से पास कर लिया है।

लाइफ Style

जैकलीन

कमजोरों की मदद के लिए आईं आगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने यूट्यूबर 'मिस्टर बीस्ट' के साथ मिलकर उनके चैरिटेबल ट्रस्ट 'बीस्ट फिलैंथोपी'को सहयोग दिया है। 'मिस्टर बीस्ट, जिन्हें जेम्स स्टीफन जिमी डोनाल्डसन के नाम से भी जाना जाता है। इनके यूट्यूब पर 320 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर हैं।

'मिस्टर बीस्ट'ने अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की मदद से सामुदायिक सेवा अभियानों के जरिए लाखों डॉलर जुटाने में मदद की है। अपनी पहल के तहत बीस्ट फिलैंथ्रोपी भारत में ने कमजोर महिलाओं और बच्चों के लिए काम करने वाले भारतीय एनजीओ उदयन केयर के साथ भागीदारी करता है। बच्चों को मेंटर मुहैया कराने की दिशा में एनजीओ के प्रयासों के तहत जैकलीन ने दिल्ली का दौरा किया। अभिनेत्री उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की एक युवा डिजाइनर शीतल की ड्रेस से प्रभावित हुईं, जिसे शीतल ने दिग्गज डिजाइनर अलेक्जेंडर मैकक्वीन से प्रेरित होकर बनाया था। इस ड्रेस को पहनने के दौरान जैकलीन ने कहा, 'आपने मुझे वाकई बहुत अच्छा महसूस कराया। इसे पहनने से बहुत शक्तिशाली महसूस होता है।' इस ड्रेस को तीन महीने के भीतर तैयार किया गया है। इस शानदार ड्रेस की नीलामी बीस्ट फिलैंथ्रोपी वेबसाइट पर की जाएगी, जिससे होने वाली कमाई उदयन केयर के मिशन में लगाई जाएगी। अभिनेत्री ने नए सहयोग के बारे में बात करते हुए कहा, 'शीतल से मिलना प्रेरणादायक था। हालांकि, इससे मुझे यह भी एहसास हुआ कि कई युवा लड़कियों को अभी भी महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

हॉलीवुड मसाला

फिर जमेगी रयान-ह्यू की जोड़ी...

लॉस एंजिल्स। एमसीयू की फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' में रयान रेनॉल्ड्स और ह्यू जैकमैन साथ नजर आए। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही है। इस एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसे सुनकर इन दोनों सितारों के फैंस खुश हो जाएंगे। दरअसल, रयान रेनॉल्ड्स एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इसमें वे अपने 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' फिल्म के सह-अभिनेता ह्यू जैकमैन और निर्देशक शॉन लेवी के साथ काम करेंगे। यह मार्वल्स की फिल्म नहीं है। खुद रेनॉल्ड्स ने कहा है कि एमसीयू से इस फिल्म का कोई लेना-देना नहीं है।

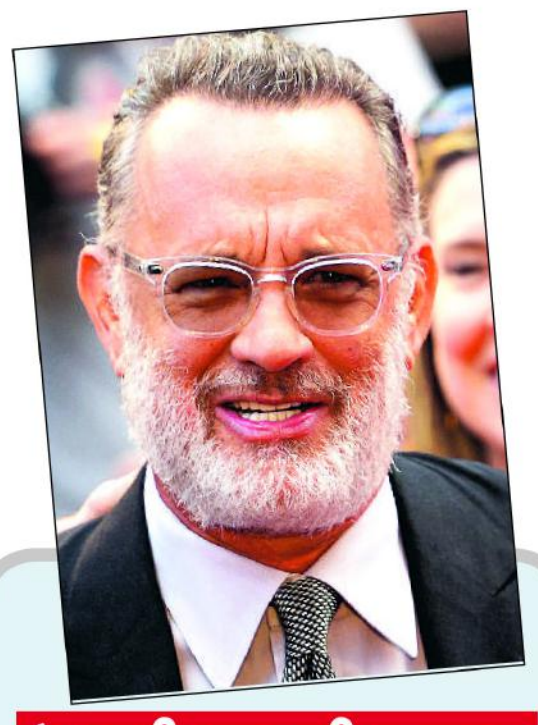

'अच्छी कहानी सुनना पसंद करते हैं दर्शक'

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड निर्माता-निर्देशक टॉम हैंक्स का मानना है कि अब लोग सुपरहीरो और वीएफएक्स तमाशे को देखने की बयाज इसकी अच्छी कहानी पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। दर्शक जानना चाहते हैं कि आखिरकार, कहानी में क्या खास है और इसकी थीम क्या है। आखिरकार पूरी फिल्म की कहानी क्या है। टॉम हैंक्स का कहना है कि अब फिल्म देखने वाले लोग सुपरहीरो और वीएफएक्स तमाशे से ज्यादा अच्छी कहानी सुनना पसंद करते हैं। टॉम ने कहा, 'हमारे पास सुपरहीरो को एक्सप्लोर करने के लिए 20 साल थे। अब हम ऐसी जगह पर हैं, जहां लोग सवाल करते हैं कि आखिरकार फिल्म की कहानी क्या है। इसकी थीम क्या है और आखिरकार इस फिल्म को बनाने का मकसद क्या है।' टॉम हैंक्स अभिनेता, निर्माता, लेखक और निर्देशक हैं।

गर्ल गैंग के साथ मनाई पायजामा पार्टी

मुंबई। खुशी कपूर जो मशहूर अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की बहन हैं। हमेशा ही सादगी में रहना पसंद करती हैं। हाल ही में खुशी ने अपना 24वां जन्मदिन मनाया। अभिनेत्री ने अपनी बहन शनाया कपूर, आलिया कश्यप, अंजिनी धवन और अन्य दोस्तों सहित अपनी गर्ल गैंग के साथ एक मजेदार पायजामा पार्टी का आयोजन किया और उसका आनंद उठाया। खुशी के जन्मदिन के जश्न में उनके कथित बॉयफ्रेंड वेदांग रैना भी शामिल हुए, तस्वीरों में खुशी के साथ उनके पिता बोनी कपूर भी नजर आ रहे हैं। खुशी कपूर ने पायजामा पार्टी से कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 'चैप्टर 24 मेरे पसंदीदा लोग एक चौंकाने वाले उत्सव में'। तस्वीरों में खुशी कपूर अपनी गर्ल स्क्वाड के साथ पोज देती नजर आ रही हैं।

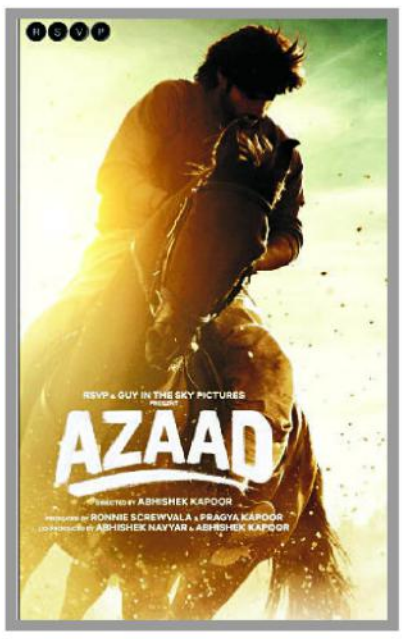

अजय की 'आजाद' का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। अजय देवगन की फिल्म 'आजाद'का आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में घोड़े की वफादारी और बहादुरी पर केंद्रित कहानी देखने को मिलेगी। इस फिल्म से राशा थडानी और अमन देवगन डेब्यू कर रहे हैं। 'आजाद'को जनवरी 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। टीजर में अजय को अंग्रेजों से लोहा लेते हुए देखा जा रहा है। कई दृश्यों में वह खतरनाक एक्शन करते हुए भी नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरुआत बैकग्राउंड में यह कहते हुए सुनाई पड़ता है, 'हल्दीघाटी में उस दिन एक तरफ महाराणा प्रताप की लगभग 8-9 हजार की फौज थी, तो दूसरी तरफ 40 हजार फौजी थे, लेकिन जो सबसे खास घोड़ा था वो खुद महाराणा प्रताप के पास था, हाथी जितना ऊंचा, मोर सी गर्दन, बिजली सी चाल, जब छलांग मारे तो पूरी घाटी लांघ के पार कर जाए।'

टीवी मसाला

रजत ने खोया आपा, अविनाश से कर बैठे हाथापाई...

मुंबई। 'बिग बॉस 18' के घरवालों का पारा हर दिन चढ़ता जा रहा है और कंटेस्टेंट्स हर गुजरते दिन के साथ एक-दूसरे के साथ भिड़ते जा रहे हैं। एक-दूसरे बहस और झगड़ा कर रहे हैं। 'बिग बॉस 18' के अपकमिंग एपिसोड में रजत और टाइम गॉड विवियन डीसेना के बीच बहस में अविनाश मिश्रा कूद पड़ते हैं, जिसके बाद रजत दलाल, अविनाश मिश्रा पर अपना आपा खोते हुए दिखाई देते है। शो के लेटेस्ट प्रोमो में रजत और अविनाश एक भयंकर लड़ाई में उलझे हुए दिखाई देते हैं और उन्हें ईशा सिंह, दिग्विजय सिंह राठी और अरफीन खान रोकते हैं। लड़ाई तब शुरू होती है जब विवियन, रजत से पूछते हैं कि जेल में रहने के दौरान उन्होंने सभी घरवालों के बीच बराबर खाना क्यों नहीं बांटा। रजत को विवियन से खुद के लिए बोलने के लिए कहते हुए सुना जाता है, जिसके बाद एक्टर यह कहते हुए पलटवार करते हैं कि उन्हें लोगों को सिर्फ बोलने से ज्यादा सबक सिखाना पसंद है। अविनाश फिर कहते हैं कि रजत उनसे डरता है और दोनों के बीच हाथापाई हो जाती है। दिग्विजय, अरफीन और ईशा झगड़े को रोकने के लिए बीच-बचाव करने की कोशिश करते हैं। ईशा फर्श पर गिर जाती है और उन्हें चोट लगती है।

पौद्दार परिवार को मिलेगी बुरी खबर, अभिरा को हड़बड़ी में हॉस्पिटल लेकर जाएगा अरमान

मुंबई। टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है'की कहानी में नया मोड़ आएगा। गुरुवार के दिन टेलीकास्ट होने वाले एपिसोड में अरमान हड़बड़ी में अभिरा को हॉस्पिटल ले जाते नजर आएगा। टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में लीप आएगा। ये लीप कुछ महीनों का ही होगा। लीप के बाद अभिरा और रूही का बेबी बंप दिखाया जाएगा। एक तरफ, पौद्दार हाउस में अभिरा और रूही की गोदभराई की रस्म होगी। दूसरी तरफ, पंडित जी, दादी-सा और विद्या को बुरी खबर देंगे। पंडितजी भविष्यवाणी करेंगे कि पौद्दार हाउस में दो नहीं, सिर्फ एक बच्चा आएगा। पंडितजी भविष्यवाणी सुन दादी-सा और विद्या घबरा जाएंगे। सामने आए प्रोमो में दादी-सा और विद्या, रूही और अभिरा के पैरों के निशान लेते नजर आते हैं। वे दोनों के पैरों के निशान पंडित जी को दिखाते हैं। दादी-सा, पंडिज जी से कहती हैं, 'ये हमारी दोनों बहुओं के पांव के निशान हैं।

कभी इडली बेचने की मिली थी सलाह

हीरोइन साथ काम करने के लिए कर देती थीं मना

नई दिल्ली। इस फोटो में दिख रहे बच्चे की आज बॉलीवुड में धमक है। हर किसी के लिए इसका नाम ही काफी है। देश के हर कोने में इसकी अलग ही फैन फॉलोइंग है। लेकिन शुरुआत में अपनी पहचान बनाने के लिए इसे बड़े ही स्ट्रगल करने पड़े। एक समय तो ऐसा भी था, जब इस हीरो के साथ काम करने के लिए कोई हीरोइन ही राजी नहीं होती थीं। उन्हें फिल्में छोड़ खाना बेचने तक की सलाह मिलती, लेकिन बिना टूटे और बिना हारे इस लड़के ने मेहनत जारी रखी और आज सालाना कमाई 100 करोड़ रुपए है। ये कोई और नहीं बल्कि अन्ना नाम से मशहूर सुनील शेट्टी हैं। सामान्य से दिखने वाले सुनील शेट्टी ने अपने टैलेंट के दम पर ऐसा मुकाम हासिल किया है कि आज उनकी गिनती हिंदी सिनेमा के टॉप मोस्ट स्टार्स में होती है।

जबरदस्त फिल्मी करियर के बाद ओटीटी में दी दस्तक

सुनील शेट्टी की सोलो फिल्में भले ही ज्यादा हिट न रही हों, लेकिन कई बड़ी फिल्मों में उनकी एक्टिंग का जलवा देखने को मिला है। आजकल ओटीटी पर उनकी दूसरी पारी की शुरुआत चल रही है। हाल ही में आई 'धारावी बैंक' वेब सीरीज में उन्हें देखा गया था. उनका किरदार दर्शकों को एक बार फिर पसंद आया है।

घर लौट जाने तक को कह दिया था

अन्ना यानी सुनील शेट्टी के लिए बॉलीवुड में अपनी जगह बना पाना बिल्कुल भी आसान नहीं था। शुरू-शुरू में उनकी एक्टिंग स्किल्स देखकर उन्हें सलाह देने वालों की लाइन सी लगी रहती थी। एक राइटर और फिल्म क्रिटिक ने तो उन्हें वापस घर लौट जाने तक को कह दिया था। एक इंटरव्यू में खुद सुनील शेट्टी ने इसका खुलासा किया और बताया कि उस क्रिटिक ने कहा था कि उन्हें इडली बेचने के लिए वापस जाना चाहिए। फिल्में उनके बस की बात नहीं हैं।

'आई वांट टू टॉक' का इमोशनल ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। अभिषेक बच्चन स्टारर फिल्म 'आई वांट टू टॉक' का मंगलवार 5 नवंबर को ट्रेलर रिलीज किया गया। इस फिल्म में अभिषेक ने अर्जुन का किरदार निभाया है, जो अपनी साधारण जिंदगी में एक्स्ट्राऑर्डिनरी चैलेंज फेस करता है। 'आई वांट टू टॉक' का निर्देशन शूजित सरकार ने किया है। 'आई वांट टू टॉक' 22 नवंबर को रिलीज के लिए तैयार है। 'आई वांट टू टॉक' का ट्रेलर का ट्रेलर एक बीमार बाप (अभिषेक बच्चन-अर्जुन) और खुले विचार वाली बेटी (मिनी) के इर्द-गिर्द घूमती है। अभिषेक एक स्पाइनल बीमारी से जूझ रहे हैं और उनके पास वक्त बहुत कम है। वहीं, वह अपनी बीमारी के बीच अपनी बेटी की देख-रेख करते हैं। इस बाप-बेटी की इमोशनल कहानी का ट्रेलर साझा करते हुए अभिषेक ने लिखा, 'जो सामान्य जीवन की तलाश में असाधारण चुनौतियों का सामना करता है'। इसके आगे अभिषेक ने लिखा, I want to talk 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

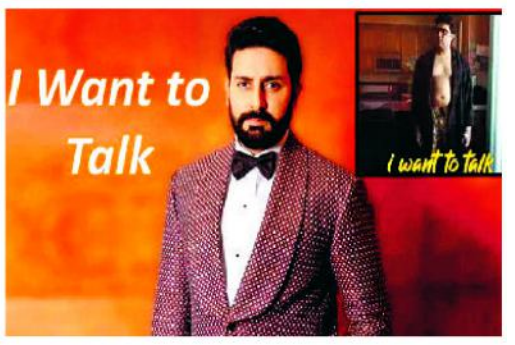

'अफसाना' से करियर की थीं शुरुआत, फिर अचानक सब कैसे हो गया बर्बाद

खड़ा किया ऐसा प्रोडक्शन हाउस जिसने सिनेमा को दीं हिट फिल्में

नई दिल्ली। बलदेव राज चोपड़ा, सिनेमा की ऐसी शख्सियत जिन्होंने कई लोकप्रिय फिल्मों की सौगात दी। और इससे भी बढ़कर छोटे परदे की दुनिया में 'महाभारत' जैसा धारावाहिक रच दिया। बी.आर. चोपड़ा का जन्म 22 अप्रैल 1914 को तत्कालीन पंजाब के लुधियाना हुआ था। लाहौर यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद 1944 से बी आर चोपड़ा मासिक पत्रिका सिने हेराल्ड से जुड़ गए। उन्होंने फिल्म 'अफसाना' से अपने करियर की शुरुआत की। साल 1955 में बलदेव राज चोपड़ा ने अपना खुद का प्रोडक्शन हॉउस बीआर फिल्म्स शुरू किया। कई सफल फिल्में देने के बाद यह प्रोडक्शन हाउस बर्बादी की कगार पर आ गया।

साहित्यिक चोरी का लगा आरोप

कॉमेडी फिल्म बंदा ये बिंदास है में गोविंदा, तब्बू, लारा दत्ता और बोमन ईरानी जैसे सितारे लिए गए। हॉलीवुड से कंटेंट लेकर बॉलीवुड फिल्मों में इस्तेमाल करने का चलन रहा। लेकिन, इस फिल्म फिल्म की मेकिंग के दौरान ऐसा करना भारी पड़ गया। इस फिल्म के निर्देशन का जिम्मा रवि चोपड़ा ने संभाला। ऐसा पहली बार हुआ कि उन पर केस हो गया। केस में पैनल्टी इतनी ज्यादा लगी कि इसके चक्कर में बीआर फिल्म्स बर्बाद हो गया। प्रोडक्शन हाउस पर छाए मुसीबतों के बादलों को छांटते हुए रवि चोपड़ा का साल 2014 में निधन हो गया। उनके बाकी दो बच्चे भी अब गुमनामी की जिंदगी जी रहे हैं। 'बंदा ये बिंदास है' को लेकर 20वीं सेंचुरी फॉक्स ने निर्माता बीआर फिल्म्स के खिलाफ साहित्यिक चोरी का मुकदमा किया था। केस में आरोप लगाया गाय कि उनकी 1992 में आई फिल्म 'माई कजिन विन्नी' की नकल करके 'बंदा ये बिंदास है' बनाई गई है। इस चक्कर में फिल्म भी ठंडे बस्ते में चली गई।

शाहरुख आए मदद का हाथ बढ़ाने

डूब चुके बीआर फिल्म्स की मदद शाहरुख खान ने करनी चाही। उन्होंने साल 2017 में फिल्म 'इत्तेफाक बनाई। यह फिल्म बीआर चोपड़ा द्वारा निर्मित 1969 में आई फिल्म 'इत्तेफाक' का रीमेक थी। इसका निर्देशन बीआर चोपड़ा के पोते अभय चोपड़ा ने किया।

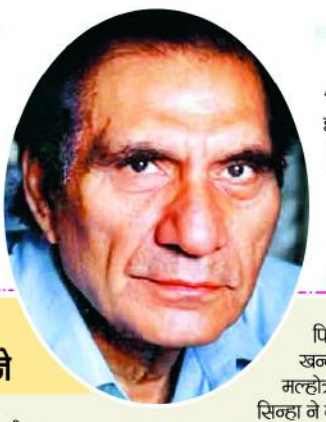

महाभारत का कनेक्शन?

ऐसा कहा जाता है और माना जाता है कि 'महाभारत' को घर में नहीं रखना चाहिए। इससे नकारात्मकता आती है। बीआर चोपड़ा ने 'महाभारत' धारावाहिक का निर्माण किया। यह धारावाहिक खूब लोकप्रिय हुआ और आज भी इसे लोग देखना पसंद करते हैं। कहा जाता है कि दूरदर्शन पर जब ये सीरियल आता था तो सड़कें सूनी हो जाया करती थीं। लेकिन, इस धारावाहिक के बाद बीआर फिल्म्स भी सूना सा हो गया। 'महाभारत' के बाद यह सर्वाइव नहीं कर सका। कहा यह भी गया है कि 'महाभारत' पर जिसने भी फिल्म या सीरियल बनाए, उनके साथ कुछ न कुछ अड़चनें आईं। एक उदाहरण बीआर फिल्म्स को भी माना जाता है।

फिल्म में अक्षय खन्ना, सिद्धार्थ मल्होत्रा और सोनाक्षी सिन्हा ने काम किया। शाहरुख खान मदद करने भले आए, लेकिन कहा जाता है कि इसके राइट्स शाहरुख खान के पास थे। इसे बीआर फिल्म्स के अलावा शाहरुख खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया।

कुछ शर्तें, जो पसंद न आईं

बेशक बीआर चोपड़ा की फिल्में सिनेमा की दुनिया में सफलता की नई इबारत लिख रही थीं। लेकिन, कहा जाता है कि फिल्मों की ये सफलता कहीं न कहीं उनमें घमंड ला रही थीं। कहा जाता है कि 'नया दौर' के वक्त वे पूरी टीम के साथ एक कॉन्ट्रेक्ट साइन करना चाहते थे। इसके तहत वे सभी किसी और प्रोडक्शन हाउस के साथ काम नहीं कर सकते थे। यह प्रस्ताव लेकर बीआर चोपड़, रफी साहब के पास गए लेकिन रफी को बात समझ नहीं आई। उन्होंने बड़े सम्मान के साथ कहा कि वे जनता की आवाज हैं और वे हर निर्माता निर्देशक के लिए काम करेंगे। बस, यह बात चोपड़ा साहब को अखर गई और उन्होंने अपनी फिल्मों में रफी को ना लेने का निर्णय लिया। शायद इस तरीके ने भी कहीं न कहीं नेगेटिव प्रभाव छोड़ा।

खबर संक्षेप

वनडे रैंकिंग में हरमनप्रीत पहुंचीं नौवें स्थान पर

दुबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गयीं जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है। इस तालिका में इंग्लैंड की नैट सिवर ब्रंट 760 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष स्थान पर है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के आखिरी मुकाबले में हरमनप्रीत ने 63 गेंद में नाबाद 59 रन की पारी के साथ भारतीय टीम को मैच और श्रृंखला में जीत दिलायी थी। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियन का हिस्सा थी जिसे भारत ने 2-1 से जीता था। तीसरे स्थान इसी मैच में 100 रन की शानदार पारी खेलने वाली वामहस्त बल्लेबाज मंधाना 23 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 728 रेटिंग अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। उनके और तीसरे स्थान पर काबिज श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू के बीच सिर्फ पांच रेटिंग अंक का फर्क है।

शाह का उत्तराधिकारी कौन होगा, दो नाम सबसे आगे

नई दिल्ली। आईसीसी चेयरमैन के लिए नियुक्त होने के बाद जय शाह को बीसीसीआई सचिव का पद छोड़ना होगा। जय शाह 1 दिसंबर को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का अध्यक्ष पद ग्रहण करेंगे। वहीं, अगले बीसीसीआई सचिव का फैसला भी होना है। वर्तमान में बीसीसीआई सचिव को लेकर 2 नाम आगे चल रहे हैं। हालांकि कुछ दिनों में बोर्ड के नए सचिव का ऐलान कर दिया जाएगा। जेटली और पटेल में से कोई एक चुना जाएगा रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल पटेल में से कोई एक बीसीसीआई का अगला सचिव बन सकता है। सचिव की रेस में रोहन जेटली और अनिल पटेल का नाम सबसे आगे चल रहा है। माना जा रहा है कि नए सचिव के लिए कोई विशेष बैठक नहीं होगी, लेकिन रोहन जेटली का नाम अनिल पटेल से भी आगे चल रहा है।

फिर चोटिल हुए ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार

रियाद। चोटिल होने के कारण 12 महीने तक बाहर रहने के बाद हाल में प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी करने वाले ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार अपने दूसरे मैच में ही फिर से चोटिल हो गए। नेमार एएफसी चैंपियंस लीग एलीट वर्ग के इस मैच में सऊदी अरब के अपने क्लब अल हिलाल की तरफ से 58वें मिनट में मैदान पर उतरे लेकिन खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि पेनल्टी एरिया में गेंद पर कब्जा करने के लिए पांव फैलाने से उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया।

पुरुष एचआईएल के पहला मैच 28 दिसंबर को

नई दिल्ली। दिल्ली एसजी पाइपर्स राउरकेला में 28 दिसंबर को शुरू हो रही हॉकी इंडिया लीग के पुरुष वर्ग के पहले मैच में विशाखापत्तनम फ्रेंचाइजी गोनासिका से भिड़ेंगे। इस फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट की सात साल बाद नए अंदाज में वापसी हो रही है। इस बार पुरुष और महिला वर्ग में प्रतियोगिताओं का आयोजन एक साथ किया जाएगा। पुरुष वर्ग में आठ टीम हिस्सा लेंगी जबकि महिला प्रतियोगिता रांची में खेली जाएगी और इसमें चार टीम हिस्सा लेंगी।

भारतीय ओलंपिक संघ ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी को लिखा पत्र

भारत में 12 साल बाद हो सकता है खेलों का महाकुंभ ओलंपिक, पेश की दावेदारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया में खेलों के सबसे बड़े महाकुंभ ओलंपिक का आयोजन हर चार साल के अंतराल पर विभिन्न देशों में किया जाता है। हाल ही में पेरिस ओलंपिक 2024 का आयोजन सफल रहा है। अगला ओलंपिक साल 2028 में अमेरिका के लॉस एंजेलिस में खेला जाएगा। वहीं, 2036 में होने वाले ओलंपिक को लेकर भारत ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है। जी हां, भारतीय ओलंपिक संघ ने 1 अक्टूबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी को पत्र लिखा है। पत्र में 2036 में होने वाले ओलंपिक का आयोजन भारत में कराने का आग्रह किया गया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2036 में भारत में ओलंपिक कराने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं।

ओलंपिक होने से भारत को बड़ा फायदा

अगर भारत को ओलंपिक 2036 की मेजबानी मिलती है तो इससे देश भर में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर पर्याप्त लाभ मिल सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लॉस एंजिल्स 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी करेगा, और ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया, 2032 खेलों की मेजबानी करेगा।

आईओए अध्यक्ष भी दे रहे समर्थन

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाख ने कहा है कि 2036 की मेजबानी के लिए अब तक डबल डीजिट में शहर रुचि जता चुके हैं। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने भी अपना समर्थन देते हुए कहा कि भारत के लिए ओलंपिक की मेजबानी की मजबूत मामला है, जिससे भारत की उम्मीदवारी और मजबूत हो गई है।

भारत समेत 9 देश मेजबानी को तैयार

2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत समेत 9 देशों में प्रतिस्पर्धा है। इनमें मेक्सिको, इंडोनेशिया, तुर्की, पोलैंड, मिस्र और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। यदि भारत को 2036 ओलंपिक के लिए चुना जाता है, तो यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा, जो लाखों लोगों के सपने को साकार करेगा और भारत को वैश्विक खेल मंच पर मजबूती से स्थापित करेगा।

भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ी रह चुके हैं एक टीम का हिस्सा

एक टीम से खेलते नजर आएंगे विराट और बाबर आजम, एफ्रो-एशिया कप की हो सकती है वापसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ी एक साथ खेलते हुए नजर आ सकते हैं। एक बार फिर एफ्रो-एशिया कप की वापसी हो सकती है। अफ्रीका क्रिकेट काउंसिल ने इसको लेकर वार्षिक आम बैठक में टूर्नामेंट को दोबारा शुरू करने के लिए समितियां बनाई हैं। अगर ऐसा होता है तो बाबर आजम और विराट कोहली एक ही टीम से खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

कैसा है यह टूर्नामेंट?

इस टूर्नामेंट में 2 टीमें- एशिया-11 और अफ्रीका-11 होती हैं। एशिया-11 में एशिया महाद्वीप के और अफ्रीका -11 में अफ्रीका महाद्वीप के खिलाड़ी खेलते हैं। इससे पहले यह टूर्नामेंट 2 बार खेला गया था। 2005 में पहली बार इसका आयोजन दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। इसके बाद 2007 में इसे भारत में खेला गया था। 2009 में केन्या में इसका तीसरा संस्करण खेला जाना था। हालांकि, वह हो नहीं पाया था।

शुरू हो सकती है अफ्रीका प्रीमियर लीग

एसीए के सीईओ कासिम सुलेमान के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग की तरह ही वह एक और छोटा टूर्नामेंट शुरू करने की भी योजना बना रहे हैं। इस टूर्नामेंट को उन्होंने अफ्रीका प्रीमियर लीग नाम रखा है। हालांकि, यह अभी योजना चरण में ही है।

टूर्नामेंट का ऐसा रहा है इतिहास

साल 2005 में 3 मैचों की वनडे सीरीज हुई थी। 1 मैच एशिया-11 और 1 मैच अफ्रीका-11 ने जीता था। आखिरी मैच बारिश के कारण रद्द हुआ था। 2007 के टूर्नामेंट में एशिया-11 का प्रदर्शन कमाल का रहा था। उसने वनडे सीरीज के सभी 3 मैच जीत लिए थे। एकमात्र टी-20 मैच में भी उसे ही जीत मिली थी। 2005 में एशिया-11 के कप्तान इंजमाम-उल-हक थे। 2007 में कप्तानी महेला जयवर्धने ने की थी। टी-20 के कप्तान शोएब मलिक थे।

भारत-पाक के खिलाड़ी खेले थे साथ

वर्ष 2005 में एशियाई टीम की अगुआई पाकिस्तान के कप्तान इंजमाम उल हक ने की थी और इसमें राहुल द्रविड़, आशीष नेहरा और अनिल कुंबले जैसे भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली थी। एशिया की 2007 की टीम में महेंद्र सिंह धोनी, सौरव गांगुली, हरभजन सिंह, जहीर खान, युवराज सिंह, वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर जैसे भारतीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था जबकि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद यूसुफ और शोएब अख्तर ने किया था।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

अक्टूबर के लिए रबाडा समेत ये खिलाड़ी हुए नामित

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अक्टूबर महीने के लिए दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को नामित किया है। उनके साथ-साथ न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर और पाकिस्तान के नोमान अली को भी नामांकित किया गया है। इन खिलाड़ियों ने अक्टूबर के महीने में शानदार प्रदर्शन किया था। दूसरी तरफ महिला वर्ग में इस बार न्यूजीलैंड की अमेलिया केर और दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट व वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की डिआंड्रा डोटिन को नामांकित किया है। रबाडा ने बांग्लादेश के खिलाफ किया था उम्दा प्रदर्शन रबाडा ने पिछले महीने बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उम्दा गेंदबाजी की थी। इस अनुभवी गेंदबाज ने 2 मैचों में 9 की शानदार औसत के साथ 14 विकेट लिए थे। रबाडा ने शेरे बांग्ला स्टेडियम में हुए पहले टेस्ट में कुल 9 विकेट लिए थे। मैच में दक्षिण अफ्रीका को जीत मिली थी। दूसरे मैच में उन्होंने कुल 5 विकेट चटकाए थे और दक्षिण अफ्रीका ने वो मैच भी जीता था।

मुक्केबाजी

मनदीप ने डब्ल्यूबीएफ का विश्व खिताब जीता

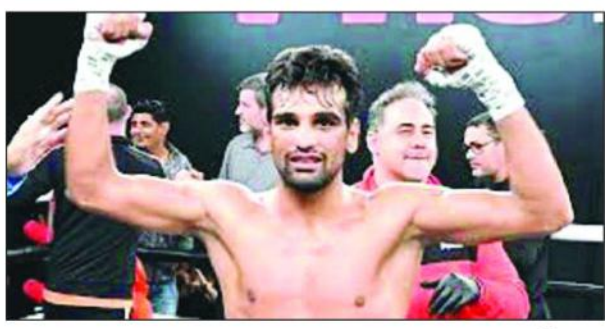

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आइलैंड में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता।

पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले 31 वर्षीय जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है। ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा। जांगड़ा ने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कॉनर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी।

मेरे कॅरियर की सबसे बड़ी जीत : जांगड़ा

जांगड़ा ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं देश का नाम रोशन कर सका। हरियाणा के रहने वाले जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया।

पहले दौर में एरिगैसी का सामना गुजराती से

चेन्नई। दुनिया के चौथे नंबर के भारतीय ग्रैंडमास्टर और शीर्ष वरीय अर्जुन एरिगैसी चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ करेंगे। एरिगैसी 2800 ईएलओ रेटिंग अंक को पार करने के बाद भारत में पहली बार खेलेंगे। आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाली इस क्लासिकल प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में अरविंद चिदंबरम का सामना ईरान के अमीन ताबाताबेई से, वाचिएर लाग्रेव मैक्सिम का सामना मघसूदलू परम से और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर लेवोन एरोनियन का सामना एलेक्सी शिरोव से होगा।

टेनिस टूर्नामेंट

सबालेंका ने डब्ल्यूटीए फाइनल के अंतिम चार में प्रवेश किया

एजेंसी ▶▶| रियाद

आर्यना सबालेंका ने ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज करके दुनिया की चोटी की आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे डब्ल्यूटीए फाइनल टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 7-5 से पराजित किया। उन्होंने पहले सेट में बेहतरीन शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त बनाकर इसे आसानी से अपने नाम किया और फिर दूसरे सेट में दो सेट प्वाइंट बचाकर अंतिम चार में अपनी जगह सुनिश्चित की।

सबालेंका का सामना आज एलेना से

सबालेंका ग्रुप के अपने अंतिम लीग मैच में बुधवार को एलेना रयबाकिना का सामना करेगी जो सेमीफाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के आखिरी मैच में जीत दर्ज करने से वह अपने करियर में पहली बार साल के अंत में नंबर एक रैंकिंग पक्की कर लेंगी।

सबालेंका ने 23 में 22 मुकाबले जीते : सबालेंका ने अपने पिछले 23 मैचों में से 22 में जीत हासिल की है और पिछले चार टूर्नामेंटों में से तीन में वह चैंपियन बनी।

नोवाक जोकोविच चोट के बाद एटीपी फाइनल्स से हटे

बेलग्रेड (सर्बिया)। नोवाक जोकोविच एटीपी फाइनल्स के अपने खिताब का बचाव नहीं करेंगे क्योंकि चोट के कारण उन्होंने मंगलवार को इस प्रतियोगिता से हटने की घोषणा की। सत्र में आखिर में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट रविवार से इटली के तूरिन में खेला जायेगा। जोकोविच ने रिकॉर्ड सात बार इस खिताब को जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में यानिक सिनर को हराया था। सिनर मौजूदा समय में शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी है। जोकोविच ने कहा, " इसमें भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। जल्द मिलते हैं। मैं वास्तव में इसमें भाग लेने का इंतजार कर रहा था लेकिन चोट के कारण अगले सप्ताह नहीं खेल पाउंगा।

भारतीय खिलाड़ियों ने एशिया पिकलबॉल खेलों में पांच स्वर्ण सहित 14 पदक जीते

मुंबई। भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में ताइवान में आयोजित एशिया पिकलबॉल खेलों में पांच स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य सहित कुल 14 पदक जीते। नितीन कीर्तने ने 50+ ओपन पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता जबकि विशाल जाधव ने 35+ ओपन पुरुष एकल में रजत पदक हासिल किया। खुशी सचदेवा और श्रद्धा दमानी क्रमशः 4.0 वर्ग में 19+ और 35+ महिला एकल में रजत पदक अपने नाम करने में सफल रहे। संदीप तावड़े ने 4.0 वर्ग में 50+ पुरुष एकल में दूसरा स्थान हासिल किया। कीर्तने और तावड़े की जोड़ी ने 50+ ओपन पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता।

इन खिलाड़ियों ने भी हासिल की जीत

वंशिक कपाड़िया और तेजस महाजन ने 19+ ओपन पुरुष युगल में शीर्ष स्थान हासिल किया। कपाड़िया और वृषाली ठाकरे ने भी 19+ ओपन मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। जाधव और ईशा लखानी ने 35+ ओपन मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। अभिषेक देथन (35+ पुरुष एकल में 4.0), जोहानन फर्नांडीस (35+ ओपन महिला एकल), ठाकरे और सचदेवा की जोड़ी (19+ ओपन महिला युगल), दमानी और फर्नांडीस की जोड़ी (35+ महिला युगल 4.0) और चेतन सानिल और तावड़े की जोड़ी (50+ पुरुष युगल 4.0) ने देश के लिए कांस्य पदक जीते।

'घायल शेर' भारत से बचकर रहना होगा हेजलवुड ने अपनी टीम को चेताया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड ने अपनी टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर आगाह किया है। हेजलवुड ने कहा कि न्यूजीलैंड से सीरीज गंवाने के बाद टीम इंडिया घायल शेर की तरह है, इससे बचकर रहना होगा।

न्यूजीलैंड ने भले ही भारत को 3-0 से हराकर घरेलू मैदान पर पहली बार टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया हो, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले भारतीय टीम की इस हार को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रहे। 33 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अपनी टीम को आगाह किया है। उन्होंने कहा कि भारत घायल शेर है और इससे बचकर रहना होगा।

सीरीज हार से भारत का विश्वास हिला

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज हार से भारत का विश्वास जरूर हिला होगा। टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ी यहां खेल चुके हैं लेकिन कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं, जिनको यहां खेलने का अनुभव नहीं। इसलिए उन्हें ये नहीं पक्का होगा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में कैसी चुनौती मिलेगी। परिणाम यकीनन हमारे लिए अच्छा होगा।

किसी सोए हुए दिग्गज को जगाने जैसा

हेजलवुड ने न्यू साउथ वेल्स के लिए शेफील्ड शील्ड मैच के बाद कहा, ऐसा कहा जा सकता है कि यह किसी सोए हुए दिग्गज को जगाने जैसा है। मुझे लगता है कि भारत घायल शेर की तरह वापसी के लिए तैयार होगा। सीरीज शुरू होने पर ही हमें पता चलेगा की चीजें कैसे आगे बढ़ रहीं।

पेरिस ओलंपिक : सामने आई मेडिकल रिपोर्ट

महिला नहीं, पुरुष हैं स्वर्ण जीतने वाली इमान खलीफ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ ने पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने प्रतियोगिता में महिलाओं के 66 किलोग्राम भारवर्ग में इटली की एंजेला कैरिनी के खिलाफ सिर्फ 46 सेकेंड में ही जीत दर्ज की थी। इसके बाद खलीफ के महिला होने पर सवाल उठाए गए थे। अब एक मेडिकल रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि खलीफ के अंदर पुरुषों वाले अंग हैं।

रिपोर्ट में क्या है?

फ्रांसीसी पत्रकार जाफर ऐत औदिया द्वारा प्राप्त मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया है कि खलीफ 5-अल्फा रिडक्टेस की कमी से

प्रभावित थी, जो यौन विकास का एक विकार है और आनुवंशिक पुरुषों में पाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार खलीफ के पास आंतरिक अंडकोष और एक्स वाय गुणसूत्र हैं। ये रिपोर्ट जून 2023 में फ्रांस के क्रेमलिन-बिसेट्रे अस्पताल और अल्जीरिया के मोहम्मद लामिन देबाघिन अस्पताल के बीच सहयोग के माध्यम से तैयार की गई थी।

खलीफ में नहीं है कोई गर्भाशय

रिपोर्ट में बताया गया है कि खलीफ में कोई गर्भाशय नहीं है, बल्कि उनके अंदर बढ़े हुए क्लिटोरिस जैसा दिखने वाला एक माइक्रोपेनिस है। खलीफ का हार्मोन परीक्षण भी किया गया, जिसमें पाया गया कि उनका टेस्टोस्टेरोन स्तर पुरुषों के समान था।

आईबीए कर चुका है बैन

साल 2023 से ही खलीफ पर पुरुष होने के आरोप लगे थे। इस वजह से उन्हें वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले से पहले इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन ने बाहर कर दिया था। आईबीए ने 2023 में उन्हें बाहर करने के बाद बताया था कि डीएनए टेस्ट के दौरान खलीफ के शरीर में एक्स वाय क्रोमोजोन्स पाए गए थे। जो पुरुषों में होते हैं। आईबीए ने खलीफ के शरीर में बहुत ज्यादा मात्रा में टेस्टोसटेरोन होने का हवाला दिया था।

विवादों के बावजूद जीता स्वर्ण पदक

हालांकि, इन सब विवादों के बावजूद आईओसी से समर्थन मिलने के बाद खलीफ ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चीनी मुक्केबाज को हराया था। उनके स्वर्ण पदक को लेकर काफी विवाद हुआ था।

रिजिजू ने दी जानकारी

25 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा संसद सत्र

'एक देश एक चुनाव' के साथ अहम विधेयकों पर होगी चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया है कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। सत्र की शुरुआत में परंपरागत तरीके से राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी। इसके अलावा शीतकालीन सत्र में संसद के दोनों सदनों में कई अहम विधेयकों पर विचार किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि सरकार 'एक देश एक चुनाव' के मुद्दे पर चर्चा करा सकती है। संसदीय परिपाटी के मुताबिक संसद सत्र के पहले सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाई जा सके, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार और लोकसभा स्पीकर सर्वदलीय बैठक भी कर सकते हैं।

सत्र की शुरुआत परंपरागत तरीके से राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी। सरकार और स्पीकर सर्वदलीय बैठक भी कर सकते हैं।

वक्फ कानून में संशोधन पर भी होगा विचार

संसद के शीतकालीन सत्र में 'वन नेशन वन इलेक्शन' और वक्फ कानून में संशोधन के लिए पेश विधेयक पर चर्चा के आसार हैं। विपक्ष के आक्रामक तेवरों को देखते हुए आगामी शीतकालीन सत्र के काफी हंगामेदार रहने के आसार हैं। गौरतलब है कि 'वन नेशन वन इलेक्शन' के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। अब शीतकालीन सत्र में विधेयक पारित कराने पर जोर दिया जाएगा।

चीन से सनझोते पर विदेश मंत्री का बयान भी होगा

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर करीब चार साल से जारी तनातनी के बीच चीन से बनी सहमति पर विदेश मंत्री एस जयशंकर संसद के दोनों सदनों में बयान देंगे। गौरतलब है कि लंबी खींचतान के बाद एलएसी पर दोनों देशों की सेना ने गश्त की शुरुआत की है। इसके अलावा इसी सत्र में जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने संबंधी विधेयक के भी पेश होने के आसार हैं।

केंद्रीय कक्ष में विशेष बैठक का आयोजन

सरकारी सूत्रों के अनुसार 26 नवंबर को संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में विशेष संयुक्त बैठक का आयोजन किया जाएगा। संविधान के महत्व को रेखांकित करने सरकार ने व्यापक योजना बनाई है।कई भित्त चित्र का निर्माण, संविधान सभा की बहसों का लगभग दो दर्जन भाषाओं में अनुवाद करना और सार्वजनिक मार्च का आयोजन जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

जेपीसी रिपोर्ट तैयार करने में जुटी

सत्र के दौरान हालांकि कई विधेयक पेश किए जाएंगे, मगर सबकी निगाहें वक्फ विधेयक और एक देश एक चुनाव विधेयक पर होगी। वक्फ विधेयक पर सरकार और विपक्ष के बीच जारी जबर्दस्त खींचतान के बीच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) रिपोर्ट तैयार करने में जुटी है। दूसरी ओर एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है। दोनों ही विधेयकों का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है।

खबर संक्षेप

बसपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश की 9सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। बसपा के 40 स्टार प्रचारकों में मायावती के बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा हैं, जबकि पार्टी के युवा चेहरे नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद को तीसरे स्थान पर रखा गया है। इसमें विश्वनाथ पाल, समसुद्दीन राईन भी है।

सलमान को धमकी देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। एक्टर सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सलमान खान के नाम पर ट्रैफिक पुलिस को धमकी देने वाले शख्स को कर्नाटक से गिरफ्तार किया गया है। शख्स का नाम विक्रम है। विक्रम को मुंबई लाया जाएगा। उसने 5 करोड़ की फिरौती की मांग की है।

3 राज्यों में सोना-चांदी समेत लाखों रुपए जब्त

नई दिल्ली। सीबीआई ने झारखंड के निम्बू पहाड़ में अवैध पत्थर खनन घोटाले में 3 राज्यों में 16 स्थानों पर तलाशी ली। सीएम हेमंत सोरेन के सहयोगी पंकज मिश्रा जांच के दायरे में हैं। साहिबगंज में 11 , रांची में 3,पटना और कोलकाता में 1-1 स्थान से 50 लाख नकद, एक किलो सोना एक किलो चांदी और करोड़ों की संपत्ति के दस्तावेज जब्त किए हैं।

अनाथ मासूम की जिम्मेदारी लेंगे धामी

अल्मोड़ा। बस हादसे में अपने माता-पिता को खोने वाली मासूम शिवानी की देखभाल की जिम्मेदारी धामी सरकार उठाएगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अल्मोड़ा के मार्चुला में हुए बस हादसे से हम सभी के हृदय को गहरा आघात पहुंचा है। धामी ने कहा कि सरकार ने दुर्घटना में अपने माता-पिता को खोने वाली शिवानी की देखभाल और शिक्षा का संकल्प लिया है।

बिना जेईई,एडवांस्ड दिए आईआईटी से करें बीटेक

कानपुर। आईआईटी कानपुर अब बीटेक और बीएस कोर्स में ओलंपियाड के जरिए भी एडमिशन देगा। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से 17 विद्यार्थियों को बिना जेईई मेन व जेईई एडवांस्ड दिए ओलंपियाड रैंक के आधार पर दाखिला मिलेगा। ओलंपियाड में प्रदर्शन के आधार पर 6 विभागों में दाखिले होंगे। शॉर्टलिस्ट के लिए ओलंपियाड से रैंक लिस्ट तैयार होगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने झारखंड में किया भाजपा सरकार बनने का दावा

भाजपा रोटी, बेटी, माटी को बचाने कृतसंकल्पित सोरेन की सरकार सूखे पत्ते की तरह उड़ जाएगी

एजेंसी ▶▶ दुमका

झारखंड विधानसभा चुनाव का प्रचार जोर पकड़ चुका है। दुमका में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस धरती की रोटी, बेटी, माटी को बचाने के लिए झारखंड की जनता संकल्पबद्ध है। इसी संथाल परगना में आदिवासी भाई-बहनों की आबादी सिर्फ 28% बची है, कभी यह 44% थी। इस संकट को यहां की जनता ने पहचाना है और इस बार परिवर्तन की लहर चल रही है, हेमंत सोरेन की सरकार सूखे पत्ते की तरह उड़ जाएगी और भाजपा की सरकार बनेगी।शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाते हुए कहा कि जेएमएम और कांग्रेस के नेताओं ने जनता के खून-पसीने की कमाई पर डाका डाला। उनके सपनों को छला। अब एक बार फिर झारखंड की जनता को ठगने आए हैं, हम इनके मंसूबे सफल नहीं होने देंगे। झारखंड वासियों के विश्वास और समर्थन से यह सुनिश्चित हो गया कि यहां भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी।

चौहान ने कहा कि जेएमएम और कांग्रेस के नेताओं ने जनता के खून-पसीने की कमाई पर डाका डाला

दुमका में चुनावी रैली को किया संबोधित

संथाल में आदिवासी भाई-बहनों की आबादी सिर्फ 28% बची है, कभी यह 44% थी

जेएमएम- कांग्रेस तो 'कुंभकर्ण से भी बड़े'

शिवराज ने कहा कि झारखंड की जेएमएम-कांग्रेस की सरकार में जनता सुखी नहीं है। इस सरकार ने पूरे झारखंड को तबाह और बर्बाद करने का पाप किया है। झारखंड में माताएं-बहनें सुरक्षित नहीं है। सोरेन सरकार सो रही है। रावण का भाई कुंभकर्ण 6 महीने सोता था और 6 महीने जागता था। जब जागता था तो केवल खाता ही रहता था, लेकिन ये जेएमएम और कांग्रेस के कुंभकर्ण तो 12 महीने ही खाते रहते हैं।

राजनाथ ने भी साधा निशाना

झामुमो गठबंधन को बताया फुस्स पटाखा

लोहरदगा। लोहरदगा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि झारखंड के 3 स्पीड बेकर हैं। विकास के 3 ठोकर हैं-जेएमएम आरजेडी और कांग्रेस। इनका गठबंधन एक फुस्स पटाखा है।

खरगे ने योगी पर किया पटवार

बांटने वाले भी तुम और काटने वाले भी..

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सीएम योगी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बांटने वाले भी तुम हो और काटने वाले भी। खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर निशाना साधा।

मुडा घोटाला में सिद्धारमैया की मुश्किलें बढ़ीं

लोकायुक्त के सामने होंगे पेश, सीबीआई करेगी जांच

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मुडा घोटाले के मामले में लोकायुक्त के सामने पेश होने की पुष्टि कर दी है। लोकायुक्त ने घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए सीएम सिद्धारमैया को समन जारी किया था। मंगलवार को सीएम हुबली धारवाड़ इलाके में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मीडिया ने उनसे पूछा कि क्या वे लोकायुक्त के सामने पेश होंगे तो इस पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि मैं बुधवार सुबह 10 बजे जा रहा हूं।

■ सिद्धारमैया को बुधवार को बुलाया

लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धारमैया को समन जारी कर 6 नवंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। इससे पहले सीएम की पत्नी पार्वती से इस मामले में 25 अक्टूबर को पूछताछ हो चुकी है। साथ ही पार्वती के भाई मल्लिकार्जुन स्वामी और देवाराजू से भी पूछताछ हुई है।

पत्नी के भाई ने जमीन गिफ्ट की

देवाराजू से ही मल्लिकारस्वामी ने जमीन खरीदकर अपनी बहन पार्वती को उपहार स्वरूप दी थी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया है और कहा है कि विपक्ष उनसे डरा हुआ है, जिसकी वजह से उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। मुडा घोटाले के मामले में ईडी ने भी मुडा के पूर्व आयुक्त डीबी नातेश से पूछताछ की थी।

उच्च न्यायालय ने भी नोटिस थमाया

सिद्धारमैया को अब कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी नोटिस जारी किया है। उच्च न्यायालय ने स्नेहमयी कृष्णा की रिट याचिका पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य को नोटिस जारी किया है। याचिका में मुडा घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश देने की मांग की गई है।

यह है मुडा घोटाला

मुडा (मैसूर अर्बन डेवलेपमेंट अथॉरिटी) घोटाला करीब 3.2 एकड़ जमीन के घोटाले से जुड़ा है। इस जमीन के एवज में मुडा ने सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को प्लॉट आवंटित किए थे। आरोप है कि इन प्लॉट के आवंटन में कथित अनियमितता बरती गई। दरअसल मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने साल 2010 में 3.2 एकड़ जमीन उपहार स्वरूप दी थी। बाद में यह जमीन मुडा द्वारा किए गए जमीन अधिग्रहण के दायरे में आ गई। जमीन अधिग्रहण के बदले पार्वती ने मुआवजे की मांग की तो मुडा ने उन्हें 14 प्लॉट आवंटित कर दिए।

झामुमो-कांग्रेस-सीपीएम का संयुक्त घोषणा पत्र

सरना धर्म कोड समेत 7 गारंटियों का किया जिक्र

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम), कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआईएम) ने संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया है। घोषणा पत्र में सरना धर्म कोड समेत कई बड़े वादे किए गए हैं। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे। झारखंड मुक्ति मोर्चा की तरफ से सीएम हेमंत सोरेन के अलावा राष्ट्रीय जनता दल, वाम दल और गठबंधन पार्टियों के सहयोगी नेता भी मौजूद रहे। इसे गठबंधन ने न्याय पत्र का नाम दिया है।

घोषणा पत्र की खास बातें

- महिलाओं को 2500 सम्मान राशि का वादा
- एससी-एसटी और अओबीसी समेत अल्पसंख्यकों के हितों के संरक्षण का वादा। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय के गठन का वादा।
- सरकार प्रति व्यक्ति सात किलो राशन वितरण करेगी।
- राज्य के हर गरीब परिवार को 400 रुपए में गैस सिलिंडर दिया जाएगा।
- 10 लाख युवक-युवतियों को नौकरी और रोजगार का वादा।
- 15 लाख रुपए तक पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा की गारंटी।
- सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे।
- फसलों के लिए एमएसपी 2400 से बढ़ाकर 3200 रुपए करने का वादा।

जोशी ने मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को एनसीसीएफ, नेफेड और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। इस मौके पर राज्य मंत्री बीएल वर्मा भी उपस्थिति रहे।

दूसरे चरण में उपभोक्ताओं को 30 रुपए प्रति किलोग्राम के अधिकतम खुदरा मूल्य की दर से भारत आटा और 34 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से भारत चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। जोशी ने कहा कि यह पहल उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर आवश्यक खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ब्रांड के अंतर्गत चावल, आटा और दाल जैसे आधारभूत खाद्य पदार्थों की खुदरा बिक्री के माध्यम से प्रत्यक्ष हस्तक्षेप ने मूल्यों में स्थिरता की व्यवस्था बनाए रखने में मदद की है। दूसरे चरण में आरंभिक स्तर पर खुदरा बिक्री के लिए 3.69 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 2.91 लाख मीट्रिक टन चावल उपलब्ध कराया गया है।

खुदरा बिक्री के लिए 3.69 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 2.91

अनाज के हर दाने की खरीद की प्रतिबद्धता दोहराई

पंजाब में धान की खरीद पर जोशी ने पंजाब में 184 लाख मीट्रिक टन अनाज की खरीद के लक्ष्य अनुमान को प्राप्त करने और किसानों की ओर से मंडियों में लाए गए अनाज के हर एक दाने की खरीद करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। 4 नवंबर तक , पंजाब की मंडियों में 104.63 लाख मीट्रिक टन धान आया, जिसमें से 98.42 लाख मीट्रिक टन की खरीद राज्य की एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम ने की है। यह खरीद ग्रेड 'ए' धान के लिए सरकार द्वारा तय 2320 के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा रही है।

मुस्लिम महिलाओं को लेकर गडकरी ने कही बड़ी बात

महिलाओं की सुरक्षा में जो भी अड़चन पैदा करे, उसे ठोक दो

नागपुर के ताजबाग में गुंडागर्दी करने वालों को चेताया

एजेंसी ▶▶ नागपुर

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है। मुस्लिम महिलाओं को लेकर गडकरी ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गुंडागर्दी को हटाना है और महिलाओं की सुरक्षा में जो भी सामने आए, उसे ठोक दो। गडकरी ने कहा कि हमने इतने मजबूत रोड बना कर दिए हैं कि एक भी गड्ढा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैंने बदमाश कॉरपोरेशन के ठेकेदारों से कहा है कि अगर सड़क पर गड्ढे पड़े, तो तुम्हारे शरीर में भी गड्ढे कर देंगे। अब डर के कारण सारे काम सही हो रहे हैं।

कांग्रेस ने सिर्फ जातिवाद और नफरत दिया

गडकरी ने कहा कि कांग्रेस ने 60 साल में क्या किया? जातिवाद की राजनीति करते रहे और लोगों के मन में जहर घोलते रहे। कांग्रेस ने हमेशा संविधान की धज्जियां उड़ाई।

मां-बहनों की इज्जत सुरक्षित रहनी चाहिए

नागपुर के ताजबाग में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि हमने ताजबाग की गुंडागर्दी हटाई। मैंने यहां के डिप्टी कमिश्नर से कहा कि गांजा, चरस जैसे धंधे करने वाले को अंदर करो। मुस्लिम समुदाय की बहनें भी रात को ताजबाग के रास्ते पर सुरक्षा के साथ घूमनी चाहिए। जो भी गुंडा उनके रास्ते में आए, उसको ठोको। अगर कोई बोलेगा तो मेरा नाम बताओ। मेरी मां बहनों की इज्जत सुरक्षित रहनी चाहिए। मैं जाति नहीं देखता।

व्यापक विमर्श के बाद बनाए गए तीन नए आपराधिक कानून

राजनयिकों के लिए भारत के कानूनी ढांचे, संसद की कार्यवाही और भारत के डेमोक्रेटिक सिस्टम की समझ आवश्यक: बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ने नए आपराधिक कानूनों पर आईसीपीएस के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 83 देशों के 135 प्रतिभागियों को संबोधित किया

▶▶ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि 3 नए आपराधिक कानून सदन और स्थायी समिति में विस्तृत विचार-विमर्श और जनभागीदारी के बाद पारित किए गए हैं। संसद भवन परिसर में संवैधानिक तथा संसदीय अध्ययन संस्थान के कार्यक्रम में 83 दूतावासों के 135 राजनयिकों पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा तीनों नए आपराधिक कानून समाज की चुनौतियों और आशाओं के अनुरूप हैं।

बदलती जरूरतों के लिए नए कानून जरूरी

बिरला ने कहा कि विधिनिर्माताओं ने समाज की बदलती जरूरतों को पूरा करने लगातार काम किया है। अधिकारों की रक्षा करने वाले, न्याय को बढ़ावा देने वाले और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले कानून बनाए हैं। उन्होंने इन कानूनों में समाहित लैंगिक समानता को देश की व्यवस्था का आधार और संविधान की मूल अवधारणा बताया और कहा कि यह विशेषता दुनिया को मार्गदर्शन देती है। भारत की यह प्रतिबद्धता सुनिश्चित करती है कि कानून नागरिकों की स्वतंत्रता और समानता को बनाए रखने के लिए बनाए जाएं।

सभी के लिए समान न्याय हो

बिरला ने कहा कि टेक्नोलॉजी और अपराधों के स्वरूप में बदलावों के अनुरूप इन कानूनों का निर्माण किया गया है। भारत का कानून अंतिम व्यक्ति को न्याय का अधिकार देता है और आम जनता न्यायाधीश को भगवान के रूप में देखती है। उन्होंने आगे कहा कि न्याय पर जनता का अटि विश्वास है, जो 75 वर्षों की यात्रा में और अधिक मजबूत हुआ है।

उमर ने की वाजपेयी की तारीफ

चुनौतियों के बावजूद जम्मू कश्मीर की स्थिति सुधारी

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दृष्टिकोण और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी के दृष्टिकोण को अपनाया होता, तो जम्मू-कश्मीर की वर्तमान स्थिति कुछ और ही होती। अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से यह बात रखी कि वाजपेयी ने हमेशा जम्मू-कश्मीर की स्थिति सुधारने की दिशा में काम किया और उनका दृष्टिकोण राज्य की चुनौतियों को समझते हुए एक सकारात्मक बदलाव लाने का था। अब्दुल्ला ने कहा कि 1999 में वाजपेयी ने दिल्ली-लाहौर बस सेवा शुरू की थी और पाकिस्तान की यात्रा की थी। यह एक ऐतिहासिक कदम था, क्योंकि उस समय भारत और पाकिस्तान के रिश्ते तनावपूर्ण थे। वाजपेयी ने मीनार-ए-पाकिस्तान का दौरा किया था, जो एक साहसिक कदम था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)